संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
मंगलवार
3 नवंबर, 2026
वर्ष:25 अंक: 131
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के लोगों और राज्य के बीच एक जीवंत संवैधानिक समझौता: राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष



पेज-8

मोटी-मोटी बातें

आंध्र प्रदेश में तूफान का अलर्ट, विजयवाड़ा-तिरुपति समेत 3 एयरपोर्ट से 19 उड़ानें रद्द; यात्रियों की बढ़ी परेशानी

अमरावतीः चक्रवाती तूफान 'मुरासु' के कारण सोमवार को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा, तिरुपति और विशाखापत्तनम हवाई अड्डों से संचालित होने वाली कम से कम 19 घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं। विजयवाड़ा हवाई अड्डे के निदेशक एम. लक्ष्मी कांथा रेड्डी ने बताया कि इंडिगो ने 10 और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने दो उड़ानें रद्द की हैं।

वहीं, जीएमआर समूह के एक अधिकारी ने बताया कि विशाखापत्तनम हवाई अड्डे (भोगापुरम) ने चार उड़ानें रद्द कर दी हैं। तिरुपति हवाई अड्डे के निदेशक डी. भूमिनाथन ने बताया कि इंडिगो ने विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और बेंगलुरु जाने वाली उड़ानें रद्द की हैं।

मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि भीषण चक्रवाती तूफान 'मुरासु' के दो और तीन नवंबर की दरमियानी रात नेल्लोर और नरसापुर के बीच आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की संभावना है। तूफान के प्रभाव से राज्य में व्यापक बारिश होने का अनुमान है। आंध्र प्रदेश एक सप्ताह के भीतर 'अर्नब' के बाद दूसरे चक्रवात का सामना कर रहा है।

न्याय का मतलब सिर्फ अदालत पहुंचना नहीं, आम आदमी को उसके अधिकारों का लाभ दिलाना भी है : सीजेआई



देवघर। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्याय व्यवस्था से जुड़े लोगों को समाज के गरीब और जरूरतमंद तबके तक पहुंचकर उनमें भरोसा पैदा करना होगा। न्याय केवल अदालतों और कानूनी प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसकी सुविधा समाज के अंतिम व्यक्ति और उसके घर तक पहुंचनी चाहिए। सीजेआई सोमवार शाम को झारखंड के देवघर व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तीकरण शिविर को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि न्याय का वास्तविक अर्थ केवल न्यायालय तक पहुंचना नहीं, बल्कि आम नागरिक को उसके अधिकारों का लाभ मिलना है। किसी बुजुर्ग महिला को रुकी हुई पेंशन मिलना, श्रमिक को उसकी मेहनत की मजदूरी मिलना, बच्चे को शिक्षा जारी रखने का अवसर मिलना और पीड़ित परिवार को समय पर सहायता उपलब्ध होना भी न्याय की महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति है। उन्होंने विधिक सेवा संस्थाओं से जरूरतमंदों तक खुद पहुंचने और उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान कराने का आह्वान किया उन्होंने न्याय व्यवस्था में भरोसा पैदा करने की जरूरत बताते हुए अस्पताल का उदाहरण दिया। सीजेआई ने कहा कि जब कोई मरीज अस्पताल पहुंचता है तो डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ उसे इलाज का भरोसा दिलाते हैं। इससे मरीज को मानसिक राहत मिलती है और उसकी आधी बीमारी दूर हो जाती है। इसी तरह न्याय व्यवस्था से जुड़े लोगों को भी जरूरतमंदों तक पहुंचना चाहिए। उन्हें सहयोग और मार्गदर्शन देकर यह भरोसा दिलाना चाहिए कि न्याय पाने की प्रक्रिया में वे अकेले नहीं हैं।

दिल्ली की हवा बेहद खराब, 324 पर एक्यूआई, सीएक्यूएम ने पूरे एनसीआर में ग्रैप-2 किया लागू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के दैनिक एक्यूआई बुलेटिन के अनुसार, 2 नवंबर को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 324 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में तत्काल प्रभाव से ग्रैप के चरण-II को लागू करने का फैसला किया है। सीएक्यूएम की ग्रैप को लागू करने के लिए बनी उप-समिति ने बैठक में मौजूदा वायु गुणवत्ता की स्थिति और आईएमडी/आईआईटीएम द्वारा दिए गए पूर्वानुमान की समीक्षा की। समीक्षा में पाया गया कि दिल्ली का एक्यूआई 31 अक्टूबर को 117 यानी मध्यम श्रेणी में था, जो 1 नवंबर को तेजी से बढ़कर 261 यानी खराब श्रेणी में पहुंच गया और 2 नवंबर को प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण 324 तक पहुंच गया। आईएमडी/आईआईटीएम के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में भी वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में ही रहने की संभावना है।

इसी को देखते हुए उप-समिति ने सर्वसम्मति से पूरे एनसीआर में तत्काल प्रभाव से ग्रैप के चरण-II के तहत कार्य योजना लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत तय सभी उपायों को एनसीआर की संबंधित एजेंसियों द्वारा पूरी गंभीरता के साथ लागू किया जाना है। इसके साथ ही पहले से लागू ग्रैप का चरण-I भी जारी रहेगा।

एम्स राजकोट में एडवांस्ड रेडियोथेरेपी सुविधा शुरू, जेपी नड्डा बोले-1.5 करोड़ लोगों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) राजकोट में एडवांस्ड रेडियोथेरेपी सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक नागरिक को बेहतर कैंसर उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। किसी भी व्यक्ति को अपने क्षेत्र या आर्थिक स्थिति के कारण बेहतर इलाज से वंचित नहीं रहना चाहिए। यह एडवांस्ड सुविधा प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत एम्स राजकोट में लगभग 39 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की गई है। इसका उद्देश्य देश के विभिन्न क्षेत्रों में उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के बीच के अंतर को कम करना है। इस सुविधा से सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र के लोगों को विशेष लाभ होगा, जिन्हें पहले विशेष उपचार के लिए अहमदाबाद और मुंबई जैसे दूर के शहरों में जाना पड़ता था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि कैंसर मरीजों और उनके परिवारों पर चिकित्सा, भावनात्मक, सामाजिक और आर्थिक बोझ डालता है। समय पर उपचार बेहद जरूरी है।

सहमति-असहमति लोकतंत्र की ताकत, असहमति का भी होना चाहिए सम्मान : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र में विचारों और दृष्टिकोण में भिन्नता हो सकती है तथा सहमति और असहमति भी होती है, लेकिन असहमति का भी सम्मान होना चाहिए। असहमति दिशा देती है, दर्शन देती है और काम करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि सहमति-असहमति के बावजूद देश और प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए सभी के साझे प्रयास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन चलाना एक जिम्मेदारी है, लेकिन उससे बड़ी जिम्मेदारी जनसेवा की है।

श्री ओम बिरला सोमवार को पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में हरियाणा विधानसभा संविधान पखवाड़ा के तहत आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, विधानसभा स्पीकर श्री हरविंद्र कल्याण, नेता प्रतिपक्ष श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण मिड्ढा, संसदीय कार्य मंत्री श्री महिपाल ढांडा सहित मंत्रीगण, विधायक गण उपस्थित थे।



लोकसभा अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित कर जनप्रतिनिधि सम्मेलन का उद्घाटन किया।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा की धरती कर्म की धरती रही है। भगवान श्रीकृष्ण की धरती ने भगवद्गीता के माध्यम से कर्म का संदेश दिया है। इसी कर्म की धरती के किसान, मजदूर, नौजवान, उद्यमी और खिलाड़ी हर क्षेत्र में आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 60 साल की यात्रा में अनेक चुनौतियों और कठिनाइयों के बावजूद हरियाणा विकास की अग्रिम पंक्ति में खड़ा प्रदेश है और यह सब संविधान के कारण संभव हुआ है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत का संविधान केवल हमारा ही नहीं, बल्कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक देशों के लिए मार्गदर्शक है। संविधान ने हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं को आगे बढ़ाया। उन्होंने संविधान निर्माताओं, प्रारूप समिति के अध्यक्ष बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, संविधान सभा के सभी सदस्यों तथा हरियाणा-पंजाब क्षेत्र के उन महानुभावों को याद किया, जिन्होंने संविधान सभा में योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि संविधान आज भी जीवंत रूप से हम सभी का मार्गदर्शन करता है। संविधान केवल शासन चलाने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह भारत की आत्मा है। इसमें भारत की राष्ट्रीय चेतना के साथ देश के करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का प्रतिबिंब है। संविधान हमारे हर दृष्टिकोण और हर विचार में मार्गदर्शन करता है।

श्री ओम बिरला ने कहा कि संविधान बनने के समय संविधान सभा में अपने-अपने मत और विचार रखे गए तथा असहमति और लंबी चर्चा के बाद संविधान बना। आजादी के बाद देश के सामने अनेक कठिनाइयां और चुनौतियां थीं। अलग-अलग राज्यों का विलय करना, राजनीतिक व्यवस्था देना और उसके साथ संसदीय लोकतंत्र को अपनाना बड़ी चुनौती थी। भाषा, संस्कृति, भौगोलिक परिस्थितियों और धर्म की विविधताओं के बावजूद भारत ने संसदीय लोकतंत्र को अपनाया और सभी को मत का अधिकार दिया।

अगली फ्लाइट से डिपोर्ट हो जाते... बॉम्बे HC में इमरान खान ने मांगी माफी, भविष्य में प्रदर्शन न करने का दिया हलफनामा



चंडीगढ़: बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एंटी-SIR प्रदर्शन में शामिल होने के मामले में सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें कड़ी नसीहत दी। अदालत ने याद दिलाया कि इमरान भारतीय नागरिक नहीं, बल्कि अमेरिकी नागरिक हैं और उनके पास ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (OCI) कार्ड है। सुनवाई के दौरान बेंच ने यहां तक सवाल किया कि अगर कोई भारतीय नागरिक अमेरिका में इसी तरह के विरोध प्रदर्शन में शामिल होता, तो उसके साथ क्या होता?

इमरान खान की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि OCI कार्डधारक होने के नाते उन्हें भारतीय नागरिक की तरह व्यवहार नहीं करना चाहिए। बेंच ने टिप्पणी की कि उन्हें SIR जैसे मुद्दे पर प्रदर्शन में शामिल होने का अधिकार नहीं था और इस संबंध में स्पष्ट लिखित आश्वासन देना होगा।

अदालत ने उदाहरण देते हुए कहा, ''सोचिए, अगर कोई भारतीय नागरिक अमेरिका में इस तरह के विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेता, तो उसे तुरंत अगली फ्लाइट से उसके देश वापस भेज दिया जाता।'' बेंच ने अभिनेता से यह भी पूछा कि भारत में बचपन से रहने और बॉलीवुड में पहचान बनाने के बावजूद उन्होंने भारतीय नागरिकता क्यों नहीं ली।

इलिनोइस विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की भेंट

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से आज यहां यूएसए के इलिनोइस विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. मनुराज सूद के नेतृत्व में भेंट की। इसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित बैठक में प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं और शोध पर विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में विश्व स्तरीय चिकित्सा शिक्षा के विश्व-स्तरीय मापदण्डों को अपना रही है ताकि राज्य में लोगों को बेहतरीन एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। इसी के दृष्टिगत प्रदेश में सभी चिकित्सा महाविद्यालयों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है तथा शोध कार्यों को प्रोत्साहन देने के लिए नवोन्मेषी प्रयास किये जा रहे हैं।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा को और सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों के छात्रों के लिए इलिनोइस विश्वविद्यालय के साथ स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम आयोजित करेगी ताकि प्रदेश के छात्र वहां की नवीन तकनीक तथा शिक्षण व्यवस्था से रूबरू हो सकें। प्रदेश के चिकित्सा शिक्षकों को भी इस विश्वविद्यालय में एक्सपोजर विजिट पर भेजा जाएगा। इसके अलावा संकाय सदस्यों के बीच विशेष प्रशिक्षण, शिक्षण, अनुसंधान एवं व्यावसायिक दक्षता विकास के लिए आदान-प्रदान कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।



मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा को अधिक गुणात्मक बनाने के लिए इस विश्वविद्यालय के साथ पूर्व में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। शैक्षणिक संसाधनों, शोध प्रकाशनों, शिक्षण सामग्री एवं तकनीकी ज्ञान का परस्पर आदान-प्रदान भी सुनिश्चित किया जाएगा।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में विश्व स्तरीय चिकित्सा तकनीक और उपकरणों को अपना रही है। चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र को और सुदृढ़ करने में इलिनोइस विश्वविद्यालय में प्रचलित श्रेष्ठ चिकित्सा परम्पराओं को अपनाने के प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा हर संभव सहयोग और मदद प्रदान की जाएगी।

कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा पूरी तरह भ्रष्ट; पंजाब के लोग सावधान रहें – भगवंत सिंह मान

पटियालाः मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए इन्हें पूरी तरह भ्रष्ट पार्टियां करार दिया, जो पंजाब के विकास को पटरी से उतारने और अपने साझे राजनीतिक हितों की रक्षा के लिए एकजुट हो गई हैं। भविष्य के राजनीतिक मुकाबले को 'एक बनाम सभी' बताते हुए उन्होंने कहा कि अलग-अलग झंडे और चुनाव चिह्न होने के बावजूद इन पार्टियों का मकसद एक ही है – पंजाब को लूटना और यहां के लोगों का शोषण करना।



पटियाला के विधानसभा क्षेत्र घनौर में एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पारंपरिक पार्टियों को इस बात की बेचैनी है कि एक आम घर का बेटा समाज के हर वर्ग की भलाई के लिए ईमानदारी से काम कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाबियों का प्यार और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और उन्होंने विरोधियों को चेतावनी दी कि साल 2022 की तरह ही 2027 में भी लोग विरोधी दल के बड़े-बड़े नेताओं को घर बैठा देंगे।

अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा की गई पोस्ट में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहाः "पटियाला के विधानसभा क्षेत्र घनौर के गांव मंडोली में पीने के पानी के नए प्रोजेक्ट के उद्घाटन के मौके पर आज विशाल सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विरोधियों के विपरीत, हम कुर्सियों की लड़ाई नहीं लड़ रहे। हमारी लड़ाई पंजाब के लोगों को पीने का साफ पानी, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने की है। आम परिवारों के बच्चों को मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियां देना हमारी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। लोगों का प्यार और साथ हमें 'रंगला पंजाब' बनाने की ताकत दे रहा है।"

दो जिलों के लिए नहर जल आपूर्ति प्रोजेक्ट लोगों को समर्पित करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मौजूदा राजनीतिक हालात को "एक बनाम सभी" करार दिया। उन्होंने कहा कि जहां पारंपरिक राजनीतिक पार्टियां उनकी सरकार के खिलाफ एकजुट हो गई हैं, वहीं वे पंजाब के लोगों के प्यार और आशीर्वाद के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, "एक तरफ भाजपा, अकाली दल और कांग्रेस हैं, जबकि दूसरी तरफ मैं पंजाब के लोगों के प्यार और आशीर्वाद के साथ खड़ा हूं।

पीएम-कुसुम स्कीम से 30 लाख से ज्यादा किसानों को हुआ फायदा, सोलर पंप से सालाना एक लाख रुपए की हो रही बचत : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पीएम-कुसुम स्कीम से देशभर में 30 लाख से ज्यादा किसानों को फायदा हुआ है और इस योजना के माध्यम से हर किसान सोलर पंप से एक लाख रुपए की सालाना बचत कर पा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में भारत मंडपम में 'भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले 12 वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेज प्रगति की है और उद्योगों, खेतों तथा घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'देश भर के किसान पीएम-कुसुम योजना का लाभ उठा रहे हैं। इस पहल के जरिए, 30 लाख से ज्यादा किसानों को सौर ऊर्जा से चलने वाली सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अनुमान है कि सोलर पंपों का इस्तेमाल करके हर किसान सालाना लगभग 1 लाख रुपए की बचत कर पा रहा है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य देश के स्वच्छ ऊर्जा बुनियादी ढांचे को और बढ़ाने के लिए सभी सरकारी इमारतों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों और स्ट्रीट-लाइटिंग सिस्टम को सौर ऊर्जा से जोड़ना है। उन्होंने कहा, 'पिछले 12 वर्षों में, हमने उद्योगों और खेतों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का काम किया है। पूरे भारत में 44,000 से अधिक सरकारी इमारतें अब सौर ऊर्जा से जुड़ी हैं, जिससे सालाना लगभग 700 करोड़ रुपए की बचत हो रही है।' प्रधानमंत्री ने 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत हुई प्रगति का भी जिक्र किया। फरवरी 2024 में शुरू की गई इस योजना का लक्ष्य एक करोड़ घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाना है। उन्होंने कहा, 'पिछले 24-25 महीनों में 65 लाख से अधिक परिवार इस पहल से जुड़े हैं।' वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश ने 2025 में ही अपनी स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य हासिल कर लिया है।

हरियाणा की प्रगति और जनता की खुशहाली हमारी साझा मंजिल : मुख्यमंत्री नायब सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की राजनीतिक राहें और विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन हरियाणा की प्रगति और प्रदेश के लोगों की खुशहाली सभी की साझा मंजिल है। हम सभी की पहचान इस बात से है कि हम हरियाणा की जनता के प्रतिनिधि हैं। जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे जनता की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को समझते हुए प्रदेश के विकास में अपना योगदान दें।



मुख्यमंत्री सोमवार को पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में हरियाणा विधानसभा द्वारा संविधान पखवाड़े के तहत आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूरे कर लिए हैं। हीरक जयंती के इस अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला की उपस्थिति से इसकी गरिमा बढ़ी है और संसदीय प्रक्रियाओं, सदन की मर्यादा तथा जनप्रतिनिधियों के दायित्वों पर उनका मार्गदर्शन सभी के लिए मूल्यवान है। उन्होंने कहा कि हीरक जयंती समारोह में देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने पधार कर हरियाणा की जनता को अपना आशीर्वाद दिया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की 60 वर्षों की विकास यात्रा केवल सड़कों, संस्थानों और उद्योगों के विस्तार की कहानी नहीं है, बल्कि इसमें किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों की मेहनत भी शामिल है। खेतों की हरियाली से उद्योगों की ऊंचाइयों तक, गांवों की पगडंडियों से आधुनिक एक्सप्रेस-वे तक और अखाड़ों की मिट्टी से विश्व के खेल मंचों तक हरियाणा ने अपने परिश्रम, साहस और संकल्प से प्रगति के नए अध्याय लिखे हैं। प्रदेश की उपलब्धियों की नींव उन चर्चाओं, निर्णयों और कानूनों से भी पड़ी है, जिन्हें जनप्रतिनिधियों ने विधानसभा में आकार दिया।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का हॉकी के प्रति प्रेम और आत्मीय निमंत्रण मुझे जालंधर ले आया: डच हॉकी दिग्गज फ्लोरिस जेन बोवेलैंडर

हिन्द जनपथ

जालंधर (ब्यूरो)। डच हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी और 1996 के अटलांटा ओलंपिक खेलों तथा 1990 विश्व कप में स्वर्ण पदक विजेता फ्लोरिस जेन बोवेलैंडर ने पंजाब में 'हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026' देखने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा दिए गए निमंत्रण पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने इस अवसर पर मुख्यमंत्री की इस वर्ष अप्रैल में नीदरलैंड यात्रा तथा हॉकी के प्रति उनके गहरे जुनून और प्रेम को भी याद किया।

जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में चल रहे टूर्नामेंट के दौरान बातचीत करते हुए फ्लोरिस जेन बोवेलैंडर ने कहा, ''मैं यह जानकर हैरान भी था और गर्व भी महसूस कर रहा था कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मुझे याद रखा और इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनने के लिए व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया। यह निमंत्रण हॉकी के प्रति मुख्यमंत्री के अपार प्रेम का स्पष्ट प्रमाण है और इसी कारण मैंने जालंधर आने का निर्णय लिया।''



अक्टूबर 1985 से अगस्त 1996 तक के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान नीदरलैंड के लिए 241 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर 215 गोल करने वाले महान 'ड्रैग फ्लिकर' बोवेलैंडर ने भारत को विश्व हॉकी का पावरहाउस बताया।

ओलंपिक आंदोलन में एशियाई देशों, विशेष रूप से भारत और पाकिस्तान के योगदान का उल्लेख करते हुए फ्लोरिस बोवेलैंडर ने दुनियाभर में इस आंदोलन को लोकप्रिय बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

भारतीय हॉकी के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए इस डच दिग्गज खिलाड़ी—जिसे 'फ्लॉप', 'फ्लॉपी' और 'बूम बूम बोवेलैंडर' के नाम से भी जाना जाता है—ने कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय हॉकी से जुड़ी उनकी अधिकांश यादें पंजाब के खिलाड़ियों, विशेष रूप से सिख खिलाड़ियों, से जुड़ी हैं। बोवेलैंडर ने जोर देकर कहा कि पंजाब के बिना भारतीय हॉकी की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

अपनी यात्रा के दौरान फ्लोरिस बोवेलैंडर ने पंजाब के 37 कोचों और पंजाब सरकार की देखरेख में चल रही 'सुरजीत हॉकी अकादमी' के उभरते हॉकी खिलाड़ियों के साथ एक संयुक्त प्रशिक्षण सत्र में भी हिस्सा लिया। उन्होंने स्वयं हॉकी स्टिक पकड़कर हिट लगाए और खिलाड़ियों से ड्रैग फ्लिक भी करवाकर देखी।

कैपिटल गेन टैक्स को लेकर विदेशी निवेशकों की चिंताएं सुनेगी सरकार : वित्त मंत्री सीतारमण

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सरकार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की कैपिटल गेन टैक्स लेकर चिंताओं को सुनेगी और उसके बाद ही कोई फैसला लेगी। देश की आर्थिक राजधानी में फाइनेंशियल एक्सप्रेस लीडरशिप अवार्ड्स में बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि बाजार में बदले माहौल और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने कर ढांचे में बदलाव को मांगों को तेज कर दिया है। हालांकि, वित्त मंत्री सीतारमण ने बताया कि मौजूदा कर ढांचा 2023 में भी वही था, जब भारत में रिकॉर्ड विदेशी निवेश आया था।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, '2023 में भी, जब निवेश का प्रवाह रिकॉर्ड स्तर पर था, तब भी टैक्स का ढांचा वैसा ही था जैसा आज है। आज हालात बदल गए हैं। एफआईआई की निकासी हुई है और चिंताएं भी बढ़ गई हैं। मैं इन सब बातों पर विचार करूंगी।'

वित्त मंत्री ने संकेत दिया कि सरकार मौजूदा टैक्स व्यवस्था में कोई भी बदलाव करने से पहले कई पहलुओं पर विचार करेगी और साथ ही वैश्विक निवेशकों द्वारा जताई गई चिंताओं को भी ध्यान में रखेगी।

इसके अलावा वित्त मंत्री ने भरोसा जताया कि टाटा समूह के भीतर चल रहे मुद्दे - जिनमें चेयरमैन की दोबारा नियुक्ति को लेकर मतभेद और टाटा संस की प्रस्तावित लिस्टिंग शामिल हैं - आपसी बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से सुलझा लिए जाएंगे।

न्यूज डायरी

ज़िला स्तरीय रेडक्रॉस मेला अब उपमंडल बद्दी में 28 से 30 नवम्बर तक

सोलन - ज़िला स्तरीय रेडक्रॉस मेला अब उपमंडल बद्दी में 28 से 30 नवम्बर, 2026 तक आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी ज़िला रेडक्रॉस समिति के अध्यक्ष एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने दी।

उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस मेला का रैफल ड्रा 30 नवम्बर, 2026 को निकाला जाएगा ।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि रेडक्रॉस समिति मानवता की सेवा का एक सशक्त माध्यम है और यह जरूरतमंद एवं असहाय लोगों की सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने आमजन आग्रह किया कि से अधिक से अधिक संख्या में रेडक्रॉस समिति से जुड़ें और पीड़ित मानवता की सहायता में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री ने विधायक नन्द लाल का कुशल-क्षेम जाना



हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज अटल सुपर स्पेशलिटीज़ आयुर्विज्ञान संस्थान चमियाना में उपचाराधीन विधायक एवं 7वें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष नंद लाल से भेंट की और उनका कुशल-क्षेम जाना।

मुख्यमंत्री ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

दिल्ली में कांग्रेस की रैली के लिए सरकारी हेलीकॉप्टर और 200 एचआरटीसी बसों का दुरुपयोग : रणधीर शर्मा

हिन्द जनपथ

शिमला: प्रदेश भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं विधायक रणधीर शर्मा ने कांग्रेस सरकार पर सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के राजनीतिक आंदोलन के लिए हिमाचल प्रदेश की सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे आर्थिक संकट झेल रहे प्रदेश पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।



रणधीर शर्मा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू बार-बार सरकारी हेलीकॉप्टर से दिल्ली जाकर कांग्रेस के धरनों और रैलियों में भाग लेते हैं तथा उसी हेलीकॉप्टर से वापस लौटते हैं। उन्होंने दावा किया कि इन यात्राओं से सरकारी खजाने पर करोड़ों रुपये का आर्थिक बोझ पड़ा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि 1 नवंबर को दिल्ली में आयोजित कांग्रेस की रैली के लिए हिमाचल प्रदेश से एचआरटीसी की लगभग 200 बसें भेजी गईं, जबकि इनमें से अनेक बसें आधी खाली थीं। इसके कारण पिछले तीन दिनों से लगभग 200 बस रूट प्रभावित रहे और यात्रियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भारी परेशानियां उठानी पड़ीं।

दिल्ली की महारैली ने बता दिया, भाजपा की उल्टी गिनती शुरू: विनय कुमार

शिमला: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा है कि वोट चोरी के खिलाफ दिल्ली में इंडिया गठबंधन की महारैली में उमड़ा जनसैलाब से साफ हो गया है कि देश में भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। देश अब किसी भी कीमत पर लोकतंत्र व संविधान से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ को बर्दाश्त नहीं करेगा। विनय कुमार ने भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए कहा है कि भाजपा की पदयात्रा देश की समस्याओं व वोट चोरी से लोगों का ध्यान बांटने का असफल प्रयास था। विनय कुमार ने कहा कि जो राजनैतिक दल लोगों की आस्थाओं से खेलता रहा है जिस पर राम मंदिर से दान की करोड़ो की चोरी के आरोप लगे हो वह कभी भी देश हितेषी व जनहितेषी नही हो सकता। उन्होंने कहा कि आज देश की चुनाव प्रक्रिया को भाजपा ने पूरी तरह अस्त व्यस्त कर दिया है। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में खड़ी हो गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश में पदयात्रा के नाम पर ज्ञानेश कुमार को बचाने का प्रयास कर रही है।



भूपेंद्र गुप्ता, सीएमडी, एसजेवीएन ने जलविद्युत परियोजनाओं के संबंध में नेपाल सरकार के साथ उच्चस्तरीय बैठकें कीं

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,एसजेवीएन ने नेपाल में एसजेवीएन की जलविद्युत परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तीव्रता लाने के लिए आज काठमांडू में उच्चस्तरीय बैठकें कीं।

श्री भूपेंद्र गुप्ता ने माननीय वित्त मंत्री, डॉ. स्वर्णिम वाग्ले; माननीय ऊर्जा, जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री, श्री बिराज भक्त श्रेष्ठ तथा निवेश बोर्ड नेपाल (आईबीएन) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सुश्री यांकी उक्याब से मुलाक़ात की। इन बैठकों में सचिव (वित्त), संयुक्त सचिव (आईबीएन) तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। श्री भूपेंद्र गुप्ता के साथ श्री पार्थजीत डे, निदेशक (वित्त); श्री राजेश कुमार चंदेल, निदेशक (परियोजनाएं) एवं श्री पंकज चौधरी, सीईओ, एसएपीडीसी तथा एसएलपीडीसी उपस्थित रहे।

बैठकों के दौरान नेपाल में एसजेवीएन की 900 मेगावाट की अरुण-3 जलविद्युत परियोजना, इससे संबद्ध 217 किलोमीटर लंबी ट्रांमिशन लाइन और 669 मेगावाट की लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना के कार्यान्वयन में तीव्रता लाने पर विशेष



रूप से चर्चा की गई।

प्रमुख चर्चा विषयों में अरुण-3 जलविद्युत परियोजना के शेष कार्यों में तीव्रता लाना, ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण कार्यों को प्रभावित करने वाले भूमि संबंधी मुद्दों एवं वन स्वीकृति से जुड़ी बाधाओं का समाधान करना तथा लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना की अग्रिम प्री-कन्स्ट्रक्शन गतिविधियों के लिए आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करना शामिल रहा।

नेपाल सरकार एवं एसजेवीएन प्रबंधन ने परियोजना-विशिष्ट चुनौतियों के समाधान तथा इन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण परियोजनाओं का समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित प्राधिकरणों के मध्य समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की।

एसजेवीएन, अपनी अधीनस्थ कंपनियों, एसएपीडीसी एवं एसएलपीडीसी के माध्यम से क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने, सतत विद्युत उत्पादन को प्रोत्साहित करने तथा आर्थिक विकास में योगदान देने के साथ जलविद्युत क्षेत्र में भारत-नेपाल सहयोग को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

दिवाली के मद्देनजर एसडीएम मोहित रतन ने जारी किए आदेश, केवल स्वीकृत ग्रीन पटाखों की बिक्री व उपयोग की अनुमति

धर्मशाला: दिवाली पर्व के दौरान जन सुरक्षा एवं सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपमंडल धर्मशाला में पटाखों की बिक्री को लेकर प्रशासन ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उपमंडल दंडाधिकारी धर्मशाला मोहित रतन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी करते हुए पटाखों की बिक्री के लिए चार स्थान निर्धारित किए हैं।

उन्होंने कहा कि धर्मशाला उपमंडल में लाइसेंसधारी एवं अधिकृत विक्रेता केवल निर्धारित स्थानों पर ही पटाखों की बिक्री कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि पटाखों की बिक्री के लिए कचहरी अड्डा, डिपो बाजार, सिविल बाजार एवं आसपास के क्षेत्रों के लिए पुलिस ग्राउंड, धर्मशाला का स्थान पटाखा बिक्री के लिए निर्धारित किया गया है। इसके अलावा कोतवाली बाजार, कैंट रोड, बृज लाल रोड, गुरुद्वारा रोड, खनियारा रोड, पुराना चड़ी रोड, खडा डंडा रोड एवं आसपास के क्षेत्रों के लिए कोतवाली बाजार स्थित सामुदायिक भवन के समीप खुले स्थान पर पटाखों की बिक्री की जा सकेगी जबकि भागसू नाग रोड पर सब्जी मंडी के खुले स्थान में मैकलोडगंज एवं आसपास के लोग पटाखों की खरीद कर सकेंगे। इसके अलावा दाड़ी एवं आसपास के क्षेत्रों के लिए दाड़ी मेला मैदान को निर्धारित किया गया है।

एसडीएम ने बताया कि पटाखों की बिक्री सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक ही की जा सकेगी। इसके अतिरिक्त धर्मशाला उपमंडल के सभी क्षेत्रों में केवल स्वीकृत ग्रीन पटाखों की बिक्री एवं उपयोग की अनुमति होगी। पटाखे चलाने का समय रात 8 बजे से 10 बजे तक निर्धारित किया गया है। रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक पटाखे चलाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पटाखों की बिक्री करने वाले विक्रेताओं को भी उपयुक्त खुले स्थानों पर ही बिक्री सुनिश्चित करनी होगी। सभी विक्रेताओं को लाइसेंस की शर्तों, सुरक्षा मानकों एवं अन्य वैधानिक प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य होगा। पटाखों का भंडारण एवं प्रदर्शन सुरक्षित तरीके से करना होगा। पटाखों की बिक्री के लिए अनुमति प्राप्त करने के इच्छुक आवेदकों को 4 नवंबर, 2026 तक उनके कार्यालय में आवेदन जमा करवाने होंगे। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। मोहित रत्न ने कहा कि आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राज्यपाल ने कांगड़ा स्थित ऐतिहासिक मसरूर रॉक-कट मंदिर का दौरा किया

कांगड़ा - राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने रविवार को कांगड़ा स्थित ऐतिहासिक मसरूर रॉक-कट मंदिर का दौरा किया तथा इसकी वास्तु कला, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्ता में गहरी रुचि दिखाई।

राज्यपाल को इस दौरान मंदिर परिसर के इतिहास, इसकी वास्तु विशेषताओं, निर्माण शैली तथा संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। एक विशाल चट्टान को काटकर निर्मित मसरूर मंदिर परिसर प्राचीन भारतीय नागर वास्तुकला का एक अद्भुत एवं उत्कृष्ट उदाहरण है।



राज्यपाल को प्राकृतिक क्षति तथा विशेष रूप से वर्ष 1905 में कांगड़ा क्षेत्र में आए विनाशकारी भूकंप के कारण मंदिर परिसर को हुए नुकसान के बारे में भी अवगत करवाया गया। भूकंप के दौरान इस ऐतिहासिक परिसर के कई शिखर, स्तंभ तथा मूर्तिकला के विभिन्न हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए थे।

कविन्द्र गुप्ता ने कहा कि भारत की समृद्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण देश की सभ्यतागत पहचान को सुरक्षित रखने तथा इस गौरवशाली विरासत को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार भारत की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन तथा व्यापक पहचान को बढ़ावा देने के लिए विशेष बल दे रही है।

राज्यपाल ने कहा कि विरासत का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने देश की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहरों की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया, ताकि उनकी ऐतिहासिक एवं वास्तुकला विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा जा सके।

कांगड़ा में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत 78 विद्यालयों में बच्चों को किया जागरूक

धर्मशाला: राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा संचालित 'सुरक्षित बचपन अभियान' के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कांगड़ा स्थित धर्मशाला द्वारा जिले के विभिन्न विद्यालयों में बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, ऑनलाइन सुरक्षा तथा पॉक्सो अधिनियम, 2012 के प्रावधानों के संबंध में व्यापक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं।

अभियान के तहत छह उप-विषयों को केंद्र में रखते हुए विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम, शिविर एवं अन्य गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें 'मेरा बचपन, मेरा अधिकार', 'कानून जानो, बचपन बचाओ', 'सुरक्षित बालक, सुरक्षित बचपन', 'बोलो, बताओ, बचाओ', 'न बाल विवाह, न बाल शोषण' तथा 'जागरूक बचपन, सशक्त भारत' शामिल रहे। यह अभियान 27 अक्तूबर से 31 अक्तूबर, 2026 तक संचालित किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कांगड़ा स्थित धर्मशाला के सचिव आर. मिहुल शर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान डीएलएसए कांगड़ा द्वारा कुल 13 विद्यालयों को शामिल किया गया, जबकि जिला कांगड़ा की विभिन्न उपमंडलीय विधिक सेवा समितियों द्वारा 65 विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस प्रकार जिले के कुल 78 विद्यालयों तक अभियान की पहुंच सुनिश्चित की गई।

कार्यक्रमों एवं जागरूकता शिविरों में न्यायिक अधिकारियों, पैनल अधिवक्ताओं, पुलिस विभाग के प्रतिनिधियों, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, पैरा लीगल स्वयंसेवकों, विद्यालयों के अधिकारियों एवं शिक्षकों, पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत नियुक्त सहायता व्यक्तियों तथा जागोरी चैरिटेबल ट्रस्ट, धर्मशाला के प्रतिनिधियों ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, सुरक्षित एवं असुरक्षित व्यवहार की पहचान, बाल यौन शोषण की रोकथाम, पॉक्सो अधिनियम के कानूनी प्रावधानों तथा सहायता प्राप्त करने के उपलब्ध माध्यमों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री ने अटल सुपर स्पेशलिटी आयुर्विज्ञान संस्थान चमियाना का दौरा किया

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला के चमियाना स्थित अटल सुपर स्पेशलिटी आयुर्विज्ञान संस्थान का दौरा किया और विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने संस्थान के अधिकारियों को विभिन्न दिशा-निर्देश दिए तथा विकास कार्यों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने संस्थान के विभिन्न विभागों का भी दौरा किया और अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने उपचाराधीन मरीजों का कुशल-क्षेम जाना तथा परिचारकों से बातचीत की।



इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान, सचिव स्वास्थ्य आशीष सिंहमार, उपायुक्त अनुपम कश्यप, पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह, अटल मेडिकल सुपर स्पेशलिटी आयुर्विज्ञान संस्थान चमियाना के प्रधानाचार्य डॉ. बृज शर्मा तथा अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

हल्लोमाजरा में भाजपा पूर्वांचल प्रकोष्ठ की बैठक में कार्यकर्ताओं की भारी उपस्थिति ने दिखाई संगठन की ताकत

चण्डीगढ़ : हल्लोमाजरा, वार्ड नंबर 20 में भारतीय जनता पार्टी के पूर्वांचल प्रकोष्ठ की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पूर्वांचल समाज के लोगों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं की भारी संख्या में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। कार्यकर्ताओं की उपस्थिति, अनुशासन और एकजुटता ने संगठन की मजबूती का शानदार परिचय दिया।

बैठक के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने अपने विचार, सुझाव और समस्याएं खुलकर रखीं। सभी ने एक-दूसरे की बातों को गंभीरता और शांतिपूर्वक सुना। साथ ही संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा पूर्वांचल समाज के सम्मान, अधिकार और जनहित के मुद्दों पर मिलकर कार्य करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता सतिंदर सिंह, पार्षद गुरचरण काला, नरेश पंचाल, शशि शंकर तिवारी (प्रदेश सचिव, भाजपा), दीदार सिंह (अध्यक्ष, खादी बोर्ड), राजीव पांडेय, प्रदीप शर्मा एवं विजय गोयल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस सफल आयोजन में अरविंद सिंह का विशेष योगदान रहा। उनके साथ गणेश झा ने भी बैठक को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनके अतिरिक्त मोहन कुमार, रामकुमार, जतिन मिश्रा, बिशन सिंह, दीपक यादव, प्रवीण खत्री, नरेश यादव एवं उन्नाव अंबेडकर सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय सहयोग दिया। बैठक में यह संदेश स्पष्ट रूप से सामने आया कि भाजपा पूर्वांचल प्रकोष्ठ केवल एक संगठन नहीं, बल्कि पूर्वांचल समाज की एकता, सम्मान, अधिकार और जनसेवा की मजबूत आवाज है।

हिमाचल पुलिस ने विद्यार्थी संरक्षण और स्कूल सुरक्षा सुदृढ़ करने के लिए 'स्कूल कनेक्ट' पहल शुरू की

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल पुलिस के प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के विजन एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप हिमाचल प्रदेश पुलिस ने बच्चों के संरक्षण, स्कूल परिसरों की सुरक्षा तथा पुलिस, शिक्षण संस्थानों और अभिभावकों के बीच समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से 'स्कूल कनेक्ट-स्कूल सुरक्षा एवं विद्यार्थी संरक्षण पहल' शुरू की है।

इस पहल के तहत पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने आज पुलिस मुख्यालय शिमला में 27 स्कूलों के प्रधानाचार्यों एवं प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि यह पहल सफल 'पुलिस-यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम' को आगे बढ़ाते हुए पुलिस की व्यवस्थित भागीदारी को स्कूलों तक विस्तारित करती है। इसका विशेष ध्यान निवारक पुलिसिंग तथा बच्चों को उभरते सुरक्षा संबंधी खतरों से बचाने पर केंद्रित है।

बैठक में स्कूलों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें प्रवेश एवं निकास द्वारों पर सीसीटीवी निगरानी, आगंतुकों का सत्यापन, प्रवेश नियंत्रण, कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन तथा नियमित सुरक्षा ऑडिट शामिल रहे। इसके अतिरिक्त, अपहरण, यौन शोषण, बुलिंग, उत्पीड़न एवं शोषण की घटनाओं की रोकथाम के साथ-साथ पॉक्सो अधिनियम के प्रति जागरूकता बढ़ाने और ऐसी घटनाओं की समय पर सूचना देने पर भी विशेष बल दिया गया। उन्होंने कहा कि डिजिटल वातावरण में बढ़ती चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए स्कूलों को साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ग्रूमिंग, सेक्सटॉर्शन, डीपफेक तथा अन्य साइबर खतरों के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को चिट्टा एवं अन्य नशीले पदार्थों से बचाने की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया गया तथा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'एंटी-चिट्टा जन आंदोलन' में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया गया। बैठक में स्कूल परिवहन सुरक्षा, वाहन चालकों एवं सहायक कर्मचारियों का सत्यापन, आपदा प्रबंधन की तैयारी, सुरक्षित निकासी के अभ्यास तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस-112) के प्रति जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त पुलिस नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, स्कूल सुरक्षा समितियों के गठन तथा स्कूलों और स्थानीय पुलिस के बीच नियमित संवाद के महत्व पर भी बल दिया गया।



पांच गुटों में बंटी है भाजपा, कई विधायक दोबारा नहीं जीत पाएंगे चुनाव: सुखविन्दर सिंह सुक्खू

भूपिन्दर चौहान

शिमला। दिल्ली में वोट चोरी की महारैली को लेकर मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने विभिन्न राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज उठाना, रैलियां निकालना और आंदोलन करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।



राहुल गांधी की ओर से चुनावी प्रणाली और कथित चुनावी धांधलियों के खिलाफ उठाए जा रहे मुद्दों को लेकर उन्होंने कहा कि इन प्रयासों को जनता का भारी समर्थन मिल रहा है।

असम के मुख्यमंत्री और भाजपा की पदयात्रा के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा हिमाचल प्रदेश में पांच अलग-अलग गुटों में बंटी हुई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा के कई विधायक दोबारा जीत दर्ज करने की स्थिति में नहीं हैं। 2027 में सभी मुख्यमंत्रियों को शपथ ग्रहण समारोह का न्यौता दिया जाएगा, हिमाचल में कांग्रेस की सरकार बनना तय है उस कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री को भी बुलाया जाएगा ।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर बात करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की ओर से रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) में करीब 8,000 से 10,000 करोड़ रुपए की कटौती किए जाने के बावजूद राज्य सरकार ने वित्तीय संतुलन बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह किसी परिवार की आमदनी कम होने पर घर का बजट संभालना पड़ता है, उसी तरह सरकार ने भी सीमित संसाधनों के बीच आर्थिक प्रबंधन किया है। इसके बावजूद कर्मचारियों को महंगाई भत्ते (डीए) की किस्तें जारी की गई हैं।

सुक्खू ने कहा कि सरकार हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है और वित्तीय चुनौतियों के बीच प्रदेश के हितों को प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने प्रदेश की संपदा को लेकर भी स्पष्ट किया कि न तो पहले प्रदेश की संपदा को लूटने दिया गया है और न ही भविष्य में किसी को ऐसा करने दिया जाएगा। सरकार प्रदेश के संसाधनों और हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

04 नवम्बर को विद्युत आपूर्ति बाधित

सोलन - हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लि. सोलन से प्राप्त जानकारी के अनुसार 04 नवम्बर, 2026 को आवश्यक रख-रखाव के दृष्टिगत सोलन के कुछ क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी आज यहां अतिरिक्त अधीक्षण अभियन्ता राहुल वर्मा ने दी।

उन्होंने कहा कि 04 नवम्बर, 2026 को प्रातः 09.00 बजे से सांय 06.00 बजे तक एनआरसीएम, करोल विहार, बेर पानी, बेर गांव, बेर खास, फॉरेस्ट कॉलोनी, चम्बाघाट चौंक, हिमालयन पाईप, दामकड़ी, जौणाजी, सेर चिराग, कोटला, मशीवर, दयार बुखार, रांवी बस्सी, हदेची, शेरपा रिजार्ट, बालूघाटी, बायला, चंगर, श्रिल्ली, फशकना, अश्वनी खड्ड, बजलोग, शिल्ली तथा अश्वनी खड्ड स्थित जल शक्ति विभाग की योजनाएं, डार, फ्लाई, रिड़ीधार, कनाह, बजनाल, नडोह, उपायुक्त आवास तथा आसपास के क्षेत्रों सहित मैसर्ज शिवालिक बाईमैटल कंट्रोल प्राईवेट लि. चम्बाघाट में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH
JAL SHAKTI VIBHAG

"NOTICE INVITING e-TENDER"

The Executive Engineer, Jal Shakti Division, Solan invites e-tender on behalf of Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors/firms for the following work through e-tendering process:

Sr. No.	Name of work.	Estimated cost.	Earnest Money.	Time of Com-pletion.	Cost of form.	Last date of filing/ uploading the tender through e-tendering upto
1	C/O I&D infrastructure by laying DI pipes & C/O manhole chambers for Municipal Corporation, Solan under City Sanitation Action Plans (CASP) used Water Management under SBM (U) 2.0	3,48,81,607/-	4,23,820/-	Six Month	7000/-	**12.11.2026 upto 11:00**

The tender forms and other detailed can be obtained from website **https://jsv.hp.nic.in**
HIMSUCHNA AVAM JANSAMPARK

R.No. 4497/2026-2027

Executive Engineer,
Jal Shakti Division, Solan

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, सम्पादक एवं प्रकाशक एकान्त गॉय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com

न्यूज डायरी

शारदा सर्वहितकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर रन फॉर यूनिटी आयोजित

चण्डीगढ़ : शारदा सर्वहितकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 40-डी में आज लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती बड़े उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देशभक्ति की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय एकता की शपथ के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प लिया।

इसके पश्चात रन फॉर यूनिटी (एकता दौड़) का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर एकता, भाईचारे और राष्ट्रीय सद्भाव का संदेश दिया।

विद्यार्थियों ने पोस्टर निर्माण एवं नारा लेखन प्रतियोगिता में भी भाग लिया। उन्होंने आकर्षक पोस्टरों एवं प्रेरणादायक नारों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और अखंडता का महत्व दर्शाया।

प्रातःकालीन सभा में प्रधानाचार्य प्रेम सिंह खिमटा ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन एवं उनके महान योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार पटेल जी ने रियासतों का एकीकरण करके भारत को एक सूत्र में बाँधने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यार्थियों को उनके आदर्शों, अनुशासन, समर्पण एवं एकता की भावना को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि एकता हमारी शक्ति है और राष्ट्रीय अखंडता बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य है।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर महाविद्यालय में व्याख्यान एवं राष्ट्रीय एकता की शपथ का आयोजन



पंचकूला/ कालका : राजकीय महाविद्यालय कालका की प्राचार्या डॉक्टर सीमा सिंह के कुशल नेतृत्व में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में हिंदी एवं इतिहास विभागों के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, व्यक्तित्व, राष्ट्र के प्रति उनके अतुलनीय योगदान तथा भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों, राष्ट्रभक्ति, दृढ़ संकल्प, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक समरसता के मूल्यों से परिचित करवाना था। प्रस्तुत कार्यक्रम को सफल बनाने में एसोसिएट प्रोफेसर वंदिता शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉक्टर जगपाल ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी और आधुनिक भारत के शिल्पकार थे। उन्होंने अपनी दूरदर्शिता, अदम्य साहस और कुशल नेतृत्व के माध्यम से देश की अनेक रियासतों का भारतीय संघ में विलय करवाकर राष्ट्रीय एकीकरण का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके इसी महान योगदान के कारण उन्हें 'लौह पुरुष' के नाम से जाना जाता है।

व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन हमें एकता, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। आज के समय में उनके विचार और भी अधिक प्रासंगिक हैं। देश की प्रगति और समृद्धि के लिए सभी नागरिकों के बीच आपसी सद्भाव, भाईचारा और एकता की भावना का होना अत्यंत आवश्यक है। प्रस्तुत कार्यक्रम हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ बिंदु शर्मा एवं अन्य सदस्या डाक्टर नीरू शर्मा, डॉक्टर गीता, डॉक्टर पूजा, डॉ रमाकांत और इतिहास विभाग अध्यक्ष डॉ गुरमीत के मार्गदर्शन और दिशा निर्देशन में किया गया।

लहरागागा के निकट गांव खंडेबाद में 27 एकड़ से अधिक सरकारी भूमि पर बनेगी नई अनाज मंडी: बरिंदर कुमार गोयल

चंडीगढ़- पंजाब के जल संसाधन मंत्री और लहरागागा से विधायक श्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज घोषणा की कि लहरागागा के निकटवर्ती गांव खंडेबाद में 217 कनाल 14 मरले (27 एकड़ से अधिक) सरकारी भूमि पर नई अनाज मंडी स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में प्रस्ताव को मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब कैबिनेट द्वारा 31 अक्टूबर को हुई बैठक में मंजूरी दे दी गई है।

यहां पंजाब भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लहरागागा की मौजूदा अनाज मंडी फसलों विशेषकर धान और गेहूं की बढ़ती आमद को संभालने के लिए अपर्याप्त साबित हो रही थी क्योंकि पिछले वर्षों के दौरान फसलों के उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है।

उन्होंने बताया कि मौजूदा अनाज मंडी लगभग 45 साल पहले करीब 12 एकड़ भूमि पर बनाई गई थी। इसी भूमि में से बाद में कॉटन यार्ड भी बना दिया गया। उन्होंने बताया कि फसलों की आमद लगातार बढ़ने के कारण मंडी में खरीद और व्यापारिक गतिविधियों के लिए उपलब्ध स्थान अपर्याप्त हो गया था।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मौजूदा अनाज मंडी शहर के बिल्कुल बीच में स्थित होने के कारण खरीद सीजन के दौरान आवाजाही की गंभीर समस्या पैदा होती थी जिसके कारण किसानों, व्यापारियों और आढ़तियों द्वारा लंबे समय से इस समस्या के समाधान और कृषि उत्पादों की सुचारू खरीद के लिए नई अनाज मंडी स्थापित करने की मांग की जा रही थी।

ओ.एस.डी. सुखवीर सिंह ने धूरी में करीब ढाई करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया उद्घाटन

क्रांति चौक पर नवनिर्मित क्लॉक टावर और एम.सी. पार्क जनता को किया समर्पित



हिन्द जनपथ
धूरी(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के ओ.एस.डी. सुखवीर सिंह ने आज धूरी शहर में करीब ढाई करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए और विकसित किए जा रहे विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण प्रोजेक्टों का उद्घाटन किया। इनमें शहर के प्रमुख क्रांति चौक पर 1.41 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया क्लॉक टावर और 1.6 करोड़ रुपये की लागत से तैयार एम.सी. पार्क शामिल हैं। इन प्रोजेक्टों से जहां शहर की सुंदरता में और निखार आएगा, वहीं शहरवासियों को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं भी मिलेंगी।

इस अवसर पर ओ.एस.डी. सुखवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा धूरी के सर्वपक्षीय विकास और सौंदर्यीकरण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ इसे आधुनिक स्वरूप देने और लोगों को स्वच्छ एवं सुखद वातावरण उपलब्ध करवाने के लिए विकास कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं।

उन्होंने बताया कि क्रांति चौक पर महाराजा अग्रसेन जी को समर्पित 1.41 करोड़ रुपये की लागत से क्लॉक टावर का निर्माण पूरा किया गया है। इसके साथ ही चौक की सुंदरता बढ़ाने के लिए हेरिटेज लाइटें लगाई गई हैं। क्लॉक टावर की संरचना में ग्रेनाइट मार्बल, टाइलों और जाली का कार्य किया गया है तथा इसके चारों ओर घड़ियां लगाई गई हैं। उन्होंने कहा कि यह क्लॉक टावर आने वाले समय में धूरी शहर की नई पहचान बनेगा और शहर की सुंदरता में और वृद्धि करेगा।

एम.सी. पार्क के विकास संबंधी उन्होंने बताया कि पार्क के सर्वपक्षीय विकास पर कुल 1.06 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत पार्क के विकास कार्य पूरे करके आज इसे जनता को समर्पित किया गया है। इससे शहरवासियों को सैर करने, आराम करने और परिवारों के साथ समय बिताने के लिए एक सुंदर स्थान मिलने के साथ-साथ पार्किंग की बेहतर सुविधा भी प्राप्त होगी।

ओ.एस.डी. ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान द्वारा धूरी विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की लगातार समीक्षा की जाती है और लोगों की जरूरतों के अनुसार प्रोजेक्टों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य धूरी को एक ऐसा सुंदर और आधुनिक शहर बनाना है, जहां निवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलें और शहर अपनी अलग पहचान कायम कर सके।

इस अवसर पर पंजाब लघु उद्योग एवं निर्यात निगम के चेयरमैन स. दलवीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में धूरी शहर में विकास की नई तस्वीर उभर रही है। उन्होंने कहा कि शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ सौंदर्यीकरण और लोगों की सुविधा के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्रांति चौक पर बना क्लॉक टावर धूरी की नई पहचान बनेगा, जबकि एम.सी. पार्क का विकास शहरवासियों को परिवारों के साथ समय बिताने के लिए एक बेहतर सार्वजनिक स्थान उपलब्ध करवाएगा।

नगर काउंसिल धूरी की प्रधान श्रीमती अमरजोत कौर बाजवा ने कहा कि नगर काउंसिल द्वारा शहर के सर्वपक्षीय विकास और लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

'गैंगस्टरां ते वार' अभियान का 286वां दिन: पंजाब पुलिस ने 473 ठिकानों पर की छापेमारी, 181 काबू

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान के 286वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्यभर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के रूप में चिन्हित एवं मैप किए गए 473 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के उद्देश्य से 'गैंगस्टरां ते वार' एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरुआत पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने 20 जनवरी, 2026 को की थी। राज्य के सभी जिलों की पुलिस टीमें एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ), पंजाब के समन्वय से पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चला रही हैं।

- **आम लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर गुप्त रूप से दे सकते हैं गैंगस्टरों की जानकारी**

अभियान के 286वें दिन पुलिस टीमों ने 181 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से चार हथियार बरामद किए। इसके साथ ही अभियान की शुरुआत से अब तक गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या बढ़कर 82,126 हो गई है।

इसके अतिरिक्त 160 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने इस अभियान के दौरान 10 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है।

आम लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों एवं गैंगस्टरों के बारे में गुप्त रूप से जानकारी साझा कर सकते हैं। इसके अलावा अपराधों अथवा आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचनाएं भी पुलिस को दे सकते हैं।

इस बीच, पंजाब पुलिस ने नशों के खिलाफ अपना अभियान 'युद्ध नशों विरुद्ध' 611वें दिन भी जारी रखा। आज 210 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से 1.4 किलोग्राम हेरोइन, 5.6 किलोग्राम अफीम, 10 किलोग्राम पोस्त, 680 नशीली गोलियां और 2,300 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई।

पंजाब लोक भवन में आठ राज्यों एवं सात केंद्र शासित प्रदेशों के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन



चंडीगढ़: एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के अंतर्गत आज पंजाब लोक भवन, चंडीगढ़ में आठ राज्यों—पंजाब, हरियाणा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल एवं तमिलनाडु तथा सात केंद्र शासित प्रदेशों—जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, चंडीगढ़, दिल्ली, लक्षद्वीप एवं पुडुचेरी के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने की। इस अवसर पर उन्होंने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आपसी सम्मान, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर सहयोग के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को और सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के साथ पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष श्री कुलतार सिंह संधवां, भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल श्री सत्य पाल जैन, पंजाब के मुख्य सचिव श्री के.ए.पी. सिन्हा, चंडीगढ़ के मुख्य सचिव श्री हिरियाडका राजेश प्रसाद, पंजाब के राज्यपाल के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विवेक प्रताप सिंह, पंजाब के पुलिस महानिदेशक श्री गौरव यादव, चंडीगढ़ की शिक्षा सचिव सुश्री प्रेरणा पुरी, पर्यटन सचिव डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह तथा पंजाब एवं चंडीगढ़ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अपनी विशिष्ट संस्कृति, भाषा, परंपराएं और आध्यात्मिक विरासत है, फिर भी साझा मूल्यों, मान्यताओं और राष्ट्रीय एकता की भावना के कारण पूरा देश एक सूत्र में बंधा हुआ है।

खिजराबाद में 500 ड्रोन के शानदार प्रदर्शन के माध्यम से संगत को गुरु रविदास जी के जीवन, बाणी और दर्शन से कराया परिचित

भगवंत मान सरकार गुरु रविदास जी की महान शिक्षाओं को प्रत्येक घर तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध: चेयरमैन परमिंदर सिंह गोल्डी



खिजराबाद (एस.ए.एस. नगर)- श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित पंजाब सरकार द्वारा राज्यभर में आयोजित किए जा रहे विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत आज देर शाम खरड़ विधानसभा क्षेत्र के एतिहासिक गाँव खिजराबाद स्थित शहीद भगत सिंह स्टेडियम में 500 ड्रोन का शानदार प्रदर्शन आयोजित किया गया। रोशनी से जगमगाते ड्रोन ने रात के आकाश में श्री गुरु रविदास महाराज जी के जीवन, बाणी, दर्शन और शिक्षाओं को मनमोहक ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे उपस्थित संगत आध्यात्मिक रूप से मंत्रमुग्ध हो गई।

पंजाब युवा विकास बोर्ड के चेयरमैन श्री परमिंदर सिंह गोल्डी, *एस डी एम खरड़ गुरमीत सिंह* गांवों की पंचायतों, श्री गुरु रविदास जी यूथ क्लब के सदस्यों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में शिरकत की तथा श्रद्धा और उत्साह के साथ इस अनूठे ड्रोन प्रदर्शन का आनंद लिया।

चेयरमैन परमिंदर सिंह गोल्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार श्री गुरु रविदास महाराज जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज के सभी वर्गों के कल्याण और समानता के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ड्रोन प्रदर्शन के माध्यम से आधुनिक डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल करते हुए गुरु साहिब के जीवन, बाणी और शिक्षाओं को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रभावी प्रयास किया गया है।

उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी की बाणी समूची मानवता को समानता, भाईचारे, मेहनत, सदाचार और सामाजिक सद्भाव का संदेश देती है। गुरु साहिब का दर्शन किसी विशेष वर्ग या समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे का सार्वभौमिक संदेश देता है। उन्होंने जातिगत भेदभाव, सामाजिक असमानता और छुआछूत के विरुद्ध आवाज उठाई तथा मानवता को अच्छे कर्मों और उच्च नैतिक आचरण का मार्ग दिखाया।

चेयरमैन गोल्डी ने आगे कहा कि पंजाब सरकार ने श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित वर्षभर चलने वाले कार्यक्रमों के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक का बजट निर्धारित किया है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य गुरु साहिब के महान दर्शन और मानवता के कल्याण के संदेश को आधुनिक एवं प्रभावी तरीके से युवा पीढ़ी तक पहुंचाना है।

कार्यक्रम के दौरान भाई गुरप्रीत सिंह जी लांडरां वाले के ढाडी जत्थे ने गुरु बाणी का काव्यात्मक गायन प्रस्तुत किया, जिससे संगत मंत्रमुग्ध हो गई। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने पंजाब सरकार की इस अनूठी पहल की सराहना की।

अमित शाह की करनाल पदयात्रा को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने संभाला मोर्चा

हिन्द जनपथ
करनाल(ब्यूरो)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के 5 नवंबर को करनाल आगमन और 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के समापन अवसर पर आयोजित होने वाली पदयात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए भारतीय जनता पार्टी की प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता सोमवार को करनाल पहुंचीं। उन्होंने प्रदेशभर के प्रमुख पदाधिकारियों को करनाल बुलाकर संगठनात्मक स्तर पर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। इसके बाद सेक्टर-12 स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय कर्ण कमल में आयोजित प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रदेश महामंत्री श्री गोपाल शर्मा, श्री सत्यप्रकाश जरावता, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अशोक गुर्जर, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जवाहर सैनी, श्री लक्ष्मण यादव, श्रीमती रेनू बाला गुप्ता तथा करनाल विधायक श्री जगमोहन आनंद सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में 5 नवंबर को केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में आयोजित होने वाली पदयात्रा की रूपरेखा, संगठनात्मक जिम्मेदारियों और कार्यक्रम से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। करनाल विधायक श्री जगमोहन आनंद इस पदयात्रा के संयोजक रहेंगे। डॉ. अर्चना गुप्ता ने बैठक में कहा कि 5 नवंबर का कार्यक्रम केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि प्रदेशभर में चलाए गए 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान का महत्वपूर्ण समापन कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के आगमन को लेकर पार्टी संगठन के सभी स्तरों पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रदेश से लेकर जिला, मंडल और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पटियाला के 316 गांवों को पीने के साफ पानी का तोहफा

हिन्द जनपथ
पटियाला(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पटियाला के विधानसभा हलका घनौर के अंतर्गत आने वाले गांव मंडौली में 432.65 करोड़ रुपये की लागत से बने दो अत्याधुनिक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लोगों को समर्पित किए, जिससे पूरे क्षेत्र में साफ पीने के पानी की पहुंच को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना पांच विधानसभा हलकों के 316 गांवों में 752 किलोमीटर पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए 4.50 लाख निवासियों और 70,000 घरों को रोजाना साफ नहरी पानी मुहैया कराएगी। भूजल संकट और फ्लोराइड सहित अन्य दूषित तत्वों की समस्या से निपटने के अलावा यह परियोजना पीने के पानी की चुनौतियों के लिए लंबे समय का समाधान साबित होगी, जो हर घर तक साफ पीने का पानी पहुंचाने की पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस मौके पर अपने विचार साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'आज पटियाला के गांव मंडौली में 432 करोड़ रुपये की लागत से बने दो नए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लोगों को समर्पित किए गए हैं। अब पांच विधानसभा हलकों के 316 गांवों और 75,000 घरों को रोजाना पीने का साफ नहरी पानी मिलेगा। यह परियोजना फ्लोराइड जैसे दूषित पानी की समस्या का पक्का समाधान करेगी और इलाका निवासियों के



लिए अधिक सहायक सिद्ध होगी। पंजाबियों का स्वास्थ्य हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।' सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'आज जिला पटियाला और फतेहगढ़ साहिब के लिए ऐतिहासिक दिन है क्योंकि लगभग 432 करोड़ रुपये की तीन बड़ी परियोजनाएं लोगों को समर्पित की जा रही हैं। साफ पीने के पानी की उपलब्धता सीधे तौर पर जनता के स्वास्थ्य से जुड़ी हुई है और ये परियोजनाएं लोगों के लिए अधिक मददगार साबित होंगी।' उन्होंने कहा कि दोनों जिलों में भूजल में फ्लोराइड और भारी धातुओं की मात्रा अधिक होने के कारण यहां नहरी पानी पर आधारित पीने का साफ पानी मुहैया कराने का फैसला लिया गया है।

ट्राई सिटी चंडीगढ़ में श्रीमद् भागवत गौ कथा महायज्ञ का भव्य समापन, उमड़ा श्रद्धालुओं का विशाल जनसैलाब

मौली जागरण- ट्राई सिटी चंडीगढ़ के मौली जागरण क्षेत्र में आयोजित श्रीमद् भागवत गौ कथा महायज्ञ का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में विश्राम हुआ। कथा के अंतिम दिवस श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस विशाल धार्मिक आयोजन में चंडीगढ़, मोहाली एवं पंचकूला सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं, कीर्तन मंडलियों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।



इस अवसर पर परम पूज्य भागवत गंगोत्री विभूषित सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्री सुभाष शास्त्री जी महाराज (उत्तराखंड धाम) ने अपने प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, संस्कृति, गौ सेवा, सामाजिक एकता एवं सनातन परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया।

महाराज श्री ने अपने संबोधन में कहा कि हम सभी भगवान श्रीराम एवं भगवान श्रीकृष्ण की संतान हैं। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण ने धर्म की स्थापना, गौ माता की रक्षा, ब्राह्मणों, संतों एवं देवताओं के कल्याण के लिए इस धरा पर अवतार लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को सुरक्षित रखें तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जागरूकता एवं विवेक के साथ मतदान करें। उन्होंने गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने तथा भारत की सांस्कृतिक पहचान से जुड़े विषयों पर भी अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

कथा के दौरान महाराज श्री ने भगवान श्रीकृष्ण एवं उनके परम मित्र सुदामा जी की पावन मित्रता का सुंदर वर्णन किया। उन्होंने बताया कि सच्ची मित्रता में स्वार्थ, अहंकार एवं भेदभाव का कोई स्थान नहीं होता। सुदामा जी की निस्वार्थ भक्ति एवं प्रेम से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें अपार सम्मान एवं सुख-समृद्धि प्रदान की। महाराज श्री ने कहा कि मनुष्य को परमात्मा से सदैव निस्वार्थ प्रेम करना चाहिए। सच्ची भक्ति में दिखावा नहीं, बल्कि समर्पण और श्रद्धा का भाव होना चाहिए।

महाराज श्री ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि अपने घरों के मुख्य द्वार पर जय श्रीराम, जय श्रीकृष्ण, जय श्री राधे एवं जय गौ माता के जयघोष लिखें तथा घरों में हनुमान जी का ध्वज स्थापित कर धर्म एवं संस्कृति के प्रति अपनी आस्था प्रकट करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सनातन धर्म की परंपराओं, संस्कारों एवं धार्मिक मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा : डॉ. बलजीत कौर

सितंबर 2026 तक 13,995 स्कूल बसों की जांच, 3,621 के चालान और 31 बसें जब्त



हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हर बच्चे का सुरक्षित स्कूल पहुंचना उसका अधिकार है। इसी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। प्रदेश में सेफ स्कूल वाहन पॉलिसी को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक बच्चा स्कूल आते-जाते समय पूरी तरह सुरक्षित रहे।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि वर्ष 2025 से सितंबर 2026 तक सेफ स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत प्रदेशभर में कुल 13,995 स्कूल बसों की जांच की गई। इनमें से 3,621 बसों के चालान किए गए, जबकि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाली 31 बसों को जब्त किया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई बच्चों की सुरक्षा के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025 के दौरान जिला स्तरीय स्कूल वाहन जांच समितियों द्वारा 8,325 स्कूल बसों की जांच की गई। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाली 2,026 बसों के चालान किए गए और 24 बसों को जब्त किया गया।

उन्होंने आगे बताया कि जनवरी से सितंबर 2026 तक चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान 5,670 स्कूल बसों की जांच की गई। इनमें से 1,595 बसों के चालान किए गए तथा सुरक्षा मानकों पर खरी न उतरने वाली 7 बसों को जब्त किया गया।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार ने बच्चों की जिंदगी से जुड़े मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। उन्होंने उपायुक्तों, जिला स्कूल वाहन जांच समितियों, संबंधित विभागों, स्कूल प्रबंधन और ट्रांसपोर्टरों को निर्देश दिए कि सेफ स्कूल वाहन पॉलिसी के सभी नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, जांच के दौरान सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।

स्कूल प्रबंधन, ट्रांसपोर्टरों और अभिभावकों से सहयोग की अपील करते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्कूलों से अपील की कि केवल उन्हीं वाहनों का इस्तेमाल किया जाए, जो सेफ स्कूल वाहन पॉलिसी के निर्धारित सुरक्षा मानकों को पूरा करते हों। उन्होंने ट्रांसपोर्टरों को सभी नियमों का पूर्ण पालन करने तथा अभिभावकों को किसी भी तरह के उल्लंघन की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को देने का आग्रह किया।

डॉ. बलजीत कौर ने दोहराया कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाती रहेगी, ताकि प्रदेश का प्रत्येक बच्चा प्रतिदिन सुरक्षित रूप से स्कूल पहुंचे और सकुशल अपने घर लौटे।

संपादकीय

भगदड़ के बाद भीड़ को दोष देना आसान, जवाबदेही तय करना मुश्किल

पुलिस ने चोरबागान मामले में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से दो लोगों पर आरोप है कि उन्होंने यह अफवाह फैलाकर अफरा-तफरी मचा दी कि पंडाल का एक हिस्सा गिर रहा है।देश भर में धार्मिक आयोजनों, उत्सवों और सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान भगदड़ की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। हर बार ऐसी घटनाओं के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठते हैं, जांच के आदेश दिए जाते हैं और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के दावे किए जाते हैं। मगर सरकारी तंत्र की ओर से दिखाई जाने वाली यह सक्रियता और सतर्कता वक्त के साथ शिथिल पड़ जाती है।पश्चिम बंगाल में कोलकाता के चोरबागान पूजा पंडाल में पिछले दिनों हुई भगदड़ की घटना के मामले में भी जांच के स्तर पर गंभीरता और संवेदनशीलता का अभाव नजर आ रहा है। पुलिस के एक आला अधिकारी ने जांच के प्रारंभिक निष्कर्षों का हवाला देते हुए कहा कि बारिश के कारण निकास द्वार पर महिलाओं की भीड़ जमा हो गई, जिस कारण भगदड़ मच गई। मगर सवाल है कि ऐसी स्थिति में भीड़ प्रबंधन की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? इसके लिए भीड़ को दोष देकर प्रशासन और आयोजक अपनी जवाबदेही से पल्ला कैसे झाड़ सकते हैं!इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि एक ओर सरकारी स्तर पर धार्मिक स्थलों और आयोजनों को पर्यटन से जोड़कर राजस्व के संसाधन सृजित करने पर जोर दिया जा रहा है, तो दूसरी तरफ श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर संवेदनशीलता कहीं नजर नहीं आती है। आखिर भगदड़ की घटनाओं से सबक क्यों नहीं लिया जाता, ताकि व्यवस्था में खामियों को दूर कर भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति को रोका जा सके?पुलिस ने चोरबागान मामले में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से दो लोगों पर आरोप है कि उन्होंने यह अफवाह फैलाकर अफरा-तफरी मचा दी कि पंडाल का एक हिस्सा गिर रहा है। जाहिर है, इस कोण से भी गहन जांच किए जाने की जरूरत है, लेकिन यह सवाल अपनी जगह कायम है कि आयोजन स्थल पर इस तरह की स्थिति से निपटने के लिए माकूल प्रबंध क्यों नहीं किए गए थे? इस सबके लिए जब तक आयोजकों और प्रशासन के संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं की जाएगी, तब तक हादसों पर अंकुश नहीं लग पाएगा। धार्मिक आयोजन तभी सफल माने जा सकते हैं, जब उनमें शामिल होने वाला हर व्यक्ति सकुशल अपने घर लौट सके।

सत्ता की होड में हाशिये पर पहुंचता राष्ट्रहित



(डॉ. रवीन्द्र अरजरिया)

भारतीय लोकतंत्र आज एक ऐसे चौराहे पर आ खड़ा है, जहाँ राजनीति का मूल उद्देश्य जनसेवा और नीति-निर्माण से भटककर केवल सत्ता संघर्ष और वैमनस्य का पर्याय बनता जा रहा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था की कल्पना की थी उसमें आम नागरिक केंद्र में था किंतु वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में एक तरफ सत्ता का अहंकार है तो दूसरी तरफ विपक्ष की हताशा और नकारात्मकता है। इन दोनों के इस अंतहीन टकराव के बीच आज देश का आम नागरिक पिसने को मजबूर है। सत्ता में आने के बाद राजनीतिक दलों में अहंकार घर कर जाता है। लोकतांत्रिक मर्यादाओं को ताक पर रखकर सत्ताधारी दल अक्सर यह भूल जाते हैं कि जनादेश एक जिम्मेदारी है किसी का अधिकार नहीं।

हालिया चुनावों के परिणाम इस बात के सबसे बड़े गवाह हैं कि जब-जब राजनैतिक दलों ने जनता की आवाज को अनसुना किया तब-तब उन्हें करारा जवाब मिला है। पार्टियों द्वारा धरातल से जुड़े निष्ठावान और जमीन पर काम करने वाले क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की भारी उपेक्षा की जाती है। उनके स्थान पर क्षेत्र से पूरी तरह अनजान आयातित नेताओं को चुनावी टिकट थमा दिए जाते हैं। वे पार्टी के टिकट को जीत की गारंटी मान बैठते हैं। सत्ता का यह अंध अहंकार हमेशा ही घातक होता है। लगभग सभी पार्टियां बरसों से निष्ठावान रहे क्षेत्रीय नेताओं को हाशिए पर धकेल कर रातों-रात दल बदलकर आने वाले अवसरवादी नेताओं को सर आंखों पर बिठा लेतीं है। सिक्के का दूसरा पहलू विपक्ष की गैर-जिम्मेदाराना और नकारात्मक राजनीति है।

एक मजबूत लोकतंत्र के लिए रचनात्मक विपक्ष का होना उतना ही आवश्यक है जितना कि एक जवाबदेह सरकार का। इस सिद्धान्त की धज्जियां उडाते हुए विपक्ष ने सदन के अंदर की बहस और नीतियों के स्तर पर मुकाबला करने के स्थान पर मनगढ़ंत आरोप गढने, अराजकता फैलाने तथा भीड बल पैदा करके तोडफोड करने जैसी आपराधिक घटनायें करने की नीतियां बना लीं हैं ताकि देश में हर तरफ अफरातफरी का माहौल पैदा हो और सत्ता को व्यवस्था कायम रखे हेतु कडे कदम उठाने पडें। संसद से लेकर सड़क तक विपक्षी दलों द्वारा अब राष्ट्रीय विकास, देश की साख और वैश्विक छवि की कीमत पर भी अपने राजनीतिक हित साधने की पहल शुरू कर दी है। बिना ठोस आधार के मनगढ़ंत आरोप लगाकर सामाजिक और आर्थिक तनाव पैदा करना आज के विपक्ष की कार्यशैली बन चुकी है।

विरोध के नाम पर सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाना, देश की अर्थव्यवस्था को आघात पहुंचाने वाले प्रदर्शन करना और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर देश की छवि को धूमिल करने वाले प्रसंग गढ़ना यह दर्शाता है कि सत्ता पाने की भूख में राष्ट्रहित को ताक पर रख दिया गया है। जब विपक्ष इस तरह की नकारात्मक राजनीति में संलिप्त हो जाता है तब जनता के महंगाई, बेरोजगारी और बुनियादी विकास जैसे ज्वलंत मुद्दे हाशिए पर चले जाते हैं। शेष बचना है तो केवल आरोप-प्रत्यारोप के भंवर में फंसा आम आवाम। अतीत गवाह है कि राजनीति का यह स्तर हमेशा से ऐसा नहीं था। स्वतंत्रता के शुरुआती दशकों में यदि भारत के संसद वैचारिक मतभेदों के बावजूद राजनीतिक दलों और नेताओं के बीच एक न्यूनतम आदर और शालीनता का भाव हुआ करता था। नीतिगत बहसों में विधेयकों पर घंटों गंभीर चर्चाएं होती थीं। पक्ष और विपक्ष मिलकर देश के निर्माण के लिए रोडमैप तैयार करते थे।

नब्बे के दशक के शुरुआती वर्षों के आर्थिक संकट और राजनीतिक उथल-पुथल के समय भी संसद के भीतर एक राष्ट्रीय सहमति देखने को मिलती थी। चुनाव आयोग और अन्य लोकतांत्रिक संस्थाओं के पिछले कई दशकों के आंकड़े बताते हैं कि जनभागीदारी का प्रतिशत तो बढ़ा है किन्तु राजनीतिक विमर्श का स्तर लगातार नीचे गिरा है। स्वाधीनता के बाद लम्बे समय तक राजनीति सेवा का माध्यम थी जिसके आंकड़े बलिदान और समर्पण की गाथा कहते थे जबकि आज के आंकड़े चुनावी खर्च, धनबल और बाहुबल के बढ़ते प्रभाव की गवाही दे रहे हैं। आज भारतीय राजनीतिक गलियारों में जिस प्रकार की भाषा और प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं वे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक हैं। वर्तमान में राजनीतिक दलों और उनके आकाओं द्वारा गालियां देना, व्यक्तिगत जीवन पर कीचड़ उछालना और ओछी हरकतें करना आम बात हो गई है।

चुनावी रैलियों और भाषणों में तनाव पैदा करने वाले भड़काऊ और सांप्रदायिक नारों को बुलंद किया जाता है ताकि ध्रुवीकरण के जरिए तात्कालिक लाभ हासिल किया जा सके। समाज को जाति, संप्रदाय, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांटने वाली हर उस लकीर को गहरा किया जा रहा है जो देश की अखंडता के विरुद्ध है। जातिगत विवादों, संप्रदायगत टिप्पणियों और भाषागत अस्मिता के नाम पर नफरत की आंधी पैदा करना राजनीतिक दलों का सबसे आसान हथियार बन गया है। वे यह भूल जाते हैं कि चुनाव कुछ दिनों के लिए होते हैं लेकिन समाज को सदियों तक साथ रहना है। इन संकीर्ण प्राथमिकताओं के कारण आम आदमी की रोजी-रोटी, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी जरूरतें कहीं पीछे छूट जाती हैं। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बुरी तरह से अगर कोई पिस रहा है, तो वह देश का आम नागरिक है। सुबह उठकर अपनी आजीविका कमाने के लिए संघर्ष करने वाला, टैक्स चुकाने वाला और देश के निर्माण में ईमानदारी से योगदान देने वाला नागरिक जब देखता है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि संसद और विधानसभाओं में जनहित के बजाय केवल अपनी राजनीतिक रोटियां सेक रहे हैं तो उसका लोकतंत्र से भरोसा डगमगाने लगता है। एक तरफ सत्ता का अहंकार उसे कुचलता है और दूसरी तरफ विपक्ष की नकारात्मकता उसके सपनों को धूमिल करती है। नागरिक जब महंगाई की मार झेलता है तो उसे सत्ताधीशों के महलों से कोई सहानुभूति नहीं मिलती और जब वह समाज में फैले तनाव और हिंसा को देखता है, तो उसे विपक्षी दलों के नारों में अपना कोई भविष्य भी नहीं दिखता।

ऐसे में देश की राजनीति को आत्ममंथन करने की जरूरत है। सत्ताधारी दलों को यह समझना होगा कि अहंकार का पतन निश्चित है और जनता जनार्दन सर्वोपरि है। इसी प्रकार विपक्ष को भी अपनी नकारात्मकता छोड़कर राष्ट्र निर्माण में रचनात्मक भूमिका निर्धारित करना होगी। जब तक राजनीतिक दल जनता को केवल वोट बैंक समझना बंद करके देश के असली मुद्दों पर बात करना शुरू नहीं करेंगे तब तक इस व्यवस्था में पिसता हुआ नागरिक केवल मूकदर्शक बना रहेगा। लोकतंत्र की इस गाड़ी को पटरी पर लाने के लिए सत्ता के मद और विपक्ष के फूहड़ विरोध दोनों का अंत होना अनिवार्य है तभी जाकर एक स्वस्थ, सशक्त और समावेशी भारत का निर्माण संभव हो सकेगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

भूटान की पहाड़ियों से उठी जलप्रलय की आहट

(नीरज कुमार दुबे)

भूटान के गासा जिले के लेमथांग क्षेत्र में स्थित शिंताफू झील के बांधनुमा प्राकृतिक अवरोध के टूटने से भारी मात्रा में पानी बाहर निकला। इस घटना के बाद पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार, कूचबिहार और असम के धुबरी तथा कोकराझार जिलों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन को सतर्क कर दिया गया।

हिमालय की बर्फीली चोटियों से उठी एक प्राकृतिक हलचल ने भारत के पूर्वोत्तर और उत्तर बंगाल की चिंता बढ़ा दी है। भूटान की शिंताफू ग्लेशियर झील के फटने से निकला पानी नदियों के रास्ते भारत की ओर बढ़ा। प्रशासन ने अलर्ट जारी किया, गांव खाली कराए गए और बचाव एजेंसियों को मोर्चे पर लगाया गया। फिलहाल पानी का स्तर घटने के संकेत हैं, लेकिन एक नई अस्थायी झील बनने से खतरे का एक और पहलू सामने आ गया है। दरअसल, हिमालय की ऊंची चोटियों पर जमा बर्फ जब टूटती है, तो उसका असर केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं रहता। कई बार हजारों फीट नीचे बसे गांवों, कस्बों और शहरों की जिंदगी भी इसकी चपेट में आ जाती है। भूटान में 29 अक्टूबर 2026 को हुई ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड की घटना ने एक बार फिर इसी खतरे की गंभीरता को सामने ला दिया है।

हम आपको बता दें कि भूटान के गासा जिले के लेमथांग क्षेत्र में स्थित शिंताफू झील के बांधनुमा प्राकृतिक अवरोध के टूटने से भारी मात्रा में पानी बाहर निकला। इस घटना के बाद पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार, कूचबिहार और असम के धुबरी तथा कोकराझार जिलों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन को सतर्क कर दिया गया। केंद्रीय जल आयोग ने भी संभावित जलस्तर वृद्धि को लेकर विशेष बाढ़ परामर्श जारी किया।

6 से 7 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी का खतरा : अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र के अनुसार, घटना से पहले शिंताफू झील में लगभग 60 से 70 लाख घन मीटर पानी मौजूद था। यह करीब 2,400 से 2,800 ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल के बराबर है। हालांकि, वास्तव में कितना पानी बाहर निकला, इसका आकलन अभी किया जा रहा है। इस पानी का प्रवाह भूटान की मो छू नदी और आगे पुनात्सांगछू नदी तंत्र से होते हुए भारत में संकोश नदी की ओर बढ़ा। भारत में संकोश नदी पश्चिम बंगाल और असम के सीमावर्ती इलाकों के लिए महत्वपूर्ण है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, पानी को सीमा तक पहुंचने में लगभग छह से आठ घंटे लगने की आशंका जताई गई थी। यही वजह रही कि प्रशासन ने संभावित खतरे को गंभीरता से लेते हुए पहले ही सतर्कता बढ़ा दी।

हजारों लोगों का पलायन, एनडीआरएफ-एसडीआर तैनात : उधर, पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लगभग 6,000 से 7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इनमें नदी किनारे और संवेदनशील इलाकों में रहने वाले परिवार शामिल थे। राहत शिविरों में चार हजार से अधिक लोगों के लिए भोजन, राशन, बच्चों के लिए जरूरी खाद्य सामग्री और दूसरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई। जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में भी निगरानी बढ़ाई गई। प्रशासन ने लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को नदी किनारों और निचले इलाकों से दूर रहने की चेतावनी दी। एनडीआरएफ-एसडीआरएफ और नागरिक सुरक्षा की टीमें तैनात की गईं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने धुबरी और कोकराझार के संवेदनशील राजस्व क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और एनडीआरएफ के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने तथा लोगों से सरकारी निर्देशों का पालन करने की अपील की।

खतरा टला या अभी बाकी है बड़ा जोखिम?: ताजा रिपोर्टों के मुताबिक संकोश नदी का जलस्तर घटने लगा है। कोकराझार के जिला प्रशासन ने भी तत्काल बड़े पैमाने पर जलभराव की आशंका कम होने की बात कही है। पश्चिम बंगाल में फिलहाल बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। लेकिन इस पूरी घटना में सबसे चिंताजनक तथ्य एक नई अस्थायी झील का निर्माण है। भूटान के राष्ट्रीय जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पानी और मलबे के बहाव से टाक्त्सेमाखांग में एक नई झील बन गई है। यह सिंताफू छू और लुंगू छू नदियों के संगम के पास स्थित है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसी अस्थायी झीलें दोबारा बाढ़ का कारण बन सकती हैं। तेज बहाव अपने साथ चट्टानें और मलबा लाता है, जिससे नदी का रास्ता अवरुद्ध हो सकता है। यदि पानी का दबाव बढ़कर इस प्राकृतिक अवरोध को तोड़ता है, तो दूसरी बाढ़ पैदा हो सकती है। इसलिए भूटान में मो छू और पुनात्सांगछू नदी घाटियों के आसपास रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है। यहां सवाल उठता है कि आखिर क्यों फट रही हैं हिमालय की ग्लेशियर झीलें? देखा जाये तो इसका सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन और तेजी से पिघलते ग्लेशियरों को माना जाता है। ग्लेशियरों के पीछे हटने से उनके आसपास बड़ी-बड़ी झीलें बनती हैं। इनमें पानी अक्सर बर्फ, चट्टानों और हिमनदों से निकले मलबे के प्राकृतिक बांधों के पीछे जमा होता है। भारी बारिश, हिमस्खलन, चट्टानों का झील में गिरना, भूकंप और प्राकृतिक बांधों का कमजोर होना अचानक पानी के बाहर निकलने का कारण बन सकते हैं। इसी घटना को ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी गोल्फकहते हैं। यह सामान्य बाढ़ से अधिक खतरनाक हो सकती है, क्योंकि इसमें पानी के साथ भारी मात्रा में पत्थर, मिट्टी और मलबा भी तेजी से नीचे आता है।

भारत की तैयारी पर उठते बड़े सवाल : देखा जाये तो भूटान की यह घटना भारत के लिए केवल एक स्थानीय बाढ़ का मामला नहीं है। यह हिमालयी राज्यों की आपदा प्रबंधन व्यवस्था की भी परीक्षा है। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

वर्ग पहेली 6262



संकेतः बाएं से दाएं
1. 2000 में भारत के इस तत्कालीन प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र शांति शिखर सम्मेलन के दौरान हिंदी में भाषण देते हुए पाकिस्तान को लताड़ा (6)
6. राजमुकुट, शिखा (2)
7. पति-पत्नी का कानूनन संबंध विच्छेद (3)
8. छोटा, निसार, तीर प्रकार के प्राणयमों में से एक (2)
9. गले के नीचे पेट में उतारना, निगलना (3)
10. हिंदी के बारह महिनों में से एक (2)
11. एक श्लोक का चतुर्थांश, योग्यतानुसार दिया गया दर्जा या पदवी (2)
13. अनुकंपा, दया, मेहरबानी (4)
16. जीना, सीढी (3)
18. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
19. पार्वती, लक्ष्मी (2)
21. घृणा, घिन्न (4)
22. तड़क-भड़क, ठाट-बाट (2)

संकेतः ऊपर से नीचे
1. न्यायालय, कचहरी (4)
2. कोमलकांड, सुंदरस्त्री, सुप्रसिद्ध स्वर साम्राज्ञी (सिर्फ आरंभिक नाम)(2)
3. वह स्थान जहां से प्रत्येक घर बिजली पहुंचाई जाती है (5)
4. खाली होना, रिक्त होना (3)
5. उद्देश्य, प्रयोजन (4)
11. अवनति, अवनमन, धाराशायिता (3)
12. एक राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम (2)
14. हल्का बुखार, जवर अनुभूति, आवेश (4)
15. कोई करतब आदि देखने के लिए एकत्रित जनसमूह, अव्यवस्थित जन समूह (3)
16. ऋग्वेद के अनुसार एक प्रकार का पेय जो देव-दानवों दोनों को प्रिय था (2)
17. इराक का एक शहर जहां सुन्नियों के चौथे खलीफा याने शिया इस्लाम के पहले इमाम अली की मजार है (3)
20. यह यूरोपीय संघ का एक सदस्य राष्ट्र है जिसकी राजधानी मेड्रिड है (2)

वर्ग पहेली 6261 का हल

घि	य	ना	■	ता	इ	वा	न
दे	■	शा	र	द्या	■	क	र
श	ह	द	■	द	म	■	गि
नी	ल	■	त	■	वा	ष	स
ति	क	ड़	मी	■	सी	र	■
■	■	■	ज्ञ	स्ता	■	वा	मा
वा	म	न	■	व	ज	न	■
दा	म	न	■	क	ल	गी	■

बीता हुआ वक्त लौटता नहीं, फिर क्यों कल पर टालते हैं

(विजय सिंह अधिकारी)

किसी भी जीवित दर्शन की पहचान यही है कि वह अपने भीतर प्रश्न के लिए जगह बनाए रखता है।मनुष्य ने खोई हुई संपत्ति फिर अर्जित की है, उजड़ गए कई संसार फिर बसाए हैं और बीत गए दिनों में हुई भूलों से सीखकर अपने भविष्य की दिशा भी बदली है, लेकिन वह एक ऐसी चीज की भरपाई नहीं कर सका, जो हर क्षण उसके पास से गुजरती रहती है- समय। इसकी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब यह हमारे पास होता है, तब हम इसका मूल्य नहीं पहचानते। और जब इसका मूल्य समझ में आता है, तब यह हमारे पास नहीं होता। हालांकि समय को लेकर फिक्र करने में हमारे समाज ने कभी कमी नहीं की, लेकिन समाज का हर व्यक्ति इस बात से परेशान दिखता है कि उसके पास समय नहीं है। सवाल है कि क्या हम कभी गौर कर पाते हैं कि हमारा समय हमसे कौन छीन कर या चुरा कर ले गया!

दरअसल, हम अपने जीवन में होने वाले अनेक नुकसानों का हिसाब रखते हैं, लेकिन उन क्षणों का हिसाब कभी नहीं रख पाते, जिन्हें टालमटोल, उपेक्षा और अनजाने अपव्यय में खो देते हैं। शायद जीवन की सबसे बड़ी क्षति वही है, जिसका बोध हमें तब होता है, जब उसकी भरपाई असंभव हो चुकी होती है। बेंजामिन फ्रैंकलिन का प्रसिद्ध कथन- 'खोया हुआ समय फिर कभी प्राप्त नहीं होता'- इसी सत्य को संक्षेप में व्यक्त करता है। यों, हमारे यहां भी इसी आशय की कहावतें आमतौर पर दोहराई जाती रही हैं कि 'का वर्षा जब कृषि सुखाने' या फिर कबीर का दोहा बहुतों की जुबान पर होता है कि 'अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत'। सच यह है कि धन फिर से कमाया जा सकता है, संपत्ति का फिर से निर्माण कर लिया जाना संभव है, लेकिन जीवन से निकल चुके क्षण किसी भी कीमत पर वापस नहीं खरीदे जा सकते। हम परिवार, प्रियजनों और मित्रों को महत्त्व देते हैं, फिर भी उनके लिए समय निकालना कल पर टाल देते हैं। लगता है कि माता-पिता की बातें बाद में सुन लेंगे, बच्चों के साथ खेलना फिर कभी हो जाएगा और मित्र से मिलने का अवसर दोबारा मिल जाएगा। मगर बचपन प्रतीक्षा नहीं करता और जीवन के आत्मीय क्षण अनिश्चित भविष्य के भरोसे नहीं रखे जा सकते। तस्वीरें स्मृतियां संजो लेती हैं, पर बीते हुए पलों को लौटा नहीं सकतीं।

टालमटोल की कीमत पढ़ाई और काम में भी चुकानी पड़ती है। परीक्षा की तैयारी को लगातार टालने वाला विद्यार्थी आखिरकार समय की कमी से जूझता है। अंतिम रात की मेहनत कुछ अधूरे विषयों को संभाल सकती है, लेकिन नियमित अध्ययन से मिलने वाली समझ की पूरी भरपाई नहीं कर सकती। इसी तरह, विचारों को लिखने में देर करने वाला लेखक अपनी संभावनाओं को टालता रहता है और स्वास्थ्य की उपेक्षा करने वाला व्यक्ति सुधार की आवश्यकता को तब पहचान पाता है, जब स्थिति पहले से कठिन हो चुकी होती है। अवसर निकल जाने के बाद पछतावा बीते समय का विकल्प नहीं बनता। सवाल है कि क्या कोई ऐसी घड़ी या चाबी बनाई जा सकती है, जो समय को रोक दे? घड़ी उसे मापती है, कैलेंडर तारीखें गिनता है और विज्ञान उसकी प्रकृति का अध्ययन करता है।

आज का राशिफल

मेष

पैसों के मामलों में आज ध्यान देने की जरूरत है। किसी के तुरंत बहुत ज्यादा फायदा कराने के वादों पर आकर पैसा न लगाएं। यदि आपका कहीं पैसा रुका हुआ है, तो बहुत शालीनता से बात करें और अपने पास पूरा हिसाब रखें। समझदारी से लिया गया कदम आपकी जमा पूंजी को सुरक्षित रखेगा।

वृष

आज अपने बजट, बचत और छोटी अवधि की योजनाओं को दोबारा देखने का दिन है। आप पढ़ाई, यात्रा या खुद को बेहतर बनाने पर पैसे खर्च करने का सोच सकते हैं, पर यह देख लें कि वे आपके बजट में सही बैठते हों। वक्री बुधदेव पैसों के लेन-देन और लिखे हुए कागजों में बहुत सावधानी बरतने की सलाह देते हैं।

मिथुन

पैसों के मामलों में आज ज्यादा अनुशासित रहना होगा। आपका मन किसी आराम की चीज पर पैसे खर्च करने का हो सकता है। खर्च करने से पहले सोचें कि क्या यह सचमुच जरूरी है। बिना पक्की शर्तों के केवल भरोसे पर किसी को उधार पैसा न दें। आपका पूरा ध्यान अपनी आमदनी, काम की स्थिरता और पहचान पर रहेगा।

कर्क

आर्थिक सुरक्षा को लेकर मन में थोड़ी चिंता रह सकती है। घर-परिवार की जरूरतें आपके फैसलों को तय करेंगी। थोड़े समय की घबराहट में आकर फालतू का सामान न खरीदें और न ही जोखिम भरे निवेश में हाथ डालें। आज आप अपने काम से दिल से जुड़ाव महसूस करेंगे।

सिंह

आपकी आर्थिक स्थिति सुधारने में मदद करेंगे। आप पढ़ाई, अपने हुनर को बढ़ाने या सही योजना वाले काम में पैसा लगाने की सोच सकते हैं। तुरंत बहुत बड़े मुनाफे की उम्मीद में आकर अति-उत्साहित न हों। आर्थिक तरक्की सही योजना पर ही टिकेगी। आप अपने काम और अपनी काबिलीयत की पहचान चाहेंगे।

कन्या

साझे के खर्चों, कर्ज और रुके हुए भुगतानों को बहुत ध्यान से जांचने की जरूरत है। किसी दोस्त या रिश्तेदार के साथ पैसों के लेन-देन को बिल्कुल साफ रखें। पैसों के मामले में केवल जुबानी बातों पर भरोसा न करें। जब तक अपनी जिम्मेदारियों की तस्वीर पूरी तरह साफ न हो जाए, तब तक फालतू खर्चे टाल दें।

तुला

खर्च करने की आदतों और पैसों की प्राथमिकताओं पर दोबारा सोचने के लिए कह रहे हैं। आप अपनी पुरानी खरीदारी या निवेश की योजना को फिर से देख सकते हैं। पैसा लगाने से पहले हर एक शर्त को ध्यान से पढ़ लें।पेशेवर रिश्तों में धीरज और समझ की बहुत जरूरत होगी। जरूरी बातों को साफ रखें और आधी-अधूरी जानकारी पर तुरंत प्रतिक्रिया न दें।

धनु

आपका मन मनोरंजन, पढ़ाई या यात्रा पर पैसे खर्च करने का हो सकता है। यह खर्चे सही हैं, पर अपनी जेब का ध्यान जरूर रखें। जोखिम भरे रास्तों से दूर रहें। यदि कोई पुराना रुका हुआ भुगतान या वादा अटका है, तो आगे पैसे लगाने से पहले उसकी जानकारी लें। नई सोच और नया नजरिया आपको पुराने काम को अलग तरीके से पूरा करने में मदद करेगा।

कुंभ

फालतू जोखिम लेने से बचें। अपने खर्चों को दोबारा देखें। यदि कमाई का कोई नया जरिया दिख रहा है, तो उसमें अपना समय या पैसा लगाने से पहले उसकी हर एक जरूरत की पूरी जानकारी जुटा लें। बातचीत, बैठकें और संपर्क आपकी योजनाओं पर असर डालेंगे। आपको बहुत अच्छे सुझाव मिल सकते हैं या किसी पुराने विचार पर दोबारा काम करने का मौका मिल सकता है।

वृश्चिक

अपने काम, सेहत, यात्रा और रोज की जिम्मेदारियों पर ज्यादा ध्यान देना होगा। छोटे-छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें, क्योंकि वे धीरे-धीरे आपके पूरे बजट को बिगाड़ सकते हैं। कोई भी बड़ा सामान खरीदने से पहले दामों की तुलना कर लें। आपका अनुशासित तरीका ही आपको आर्थिक रूप से मजबूत रखेगा।

मकर

आपको यह दोबारा सोचना होगा कि अपनी आमदनी को बचत, घर के खर्चों और लंबे वादों में कैसे बांटना है। कागजात देखे बिना संपत्ति से जुड़ा कोई फैसला न लें। यदि परिवार का कोई सदस्य पैसों की मदद मांगे, तो पहले अपनी क्षमता जरूर देख लें।आपको दफ्तर के काम और घर की जिम्मेदारियों में संतुलन बनाना होगा।

मीन

पैसों के मामले में बहुत धीरज और जिम्मेदारी से चलने की सलाह दे रहे हैं। अपनी बचत, कर्ज और लंबे समय के आर्थिक लक्ष्यों को दोबारा देखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। थोड़े समय के तनाव को दूर करने के लिए पैसे न बहाएं। नए निवेश में जोखिम को समझें और आपातकालीन बचत को अलग रखें।

संक्षिप्त समाचार

यूपीआई से लोगों ने जमकर किया लेन-देन, अक्टूबर में हर दिन औसतन 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ट्रांजैक्शन



नईदिल्ली, एजेंसी। यूपीआई ट्रांजैक्शन हर दिन नई उंचाईयों पर पहुंच रहा है। अक्टूबर के महीने में पहली बार हर दिन औसतन यूपीआई ट्रांजैक्शन की वैल्यू 1 लाख करोड़ रुपये को पार करने में सफल रहा। वहीं, पूरे महीने में 31.53 लाख करोड़ रुपये ट्रांजैक्शन यूपीआई के जरिए हुआ है। त्योहारों के इस सीजन की वजह से लोगों ने खरीदारी के वक्त पर जमकर यूपीआई का इस्तेमाल किया है। बता दें, इससे पहले किसी एक दिन में 98000 करोड़ रुपये का ट्रांजैक्शन यूपीआई के जरिए हुआ था। पुराना रिकॉर्ड सितंबर 2026 का था। इसके अलावा किसी महीने में पहली बार यूपीआई ट्रांजैक्शन 30 लाख करोड़ रुपये के पार रहा है। इससे पहले मई के महीने में यूपीआई के जरिए 29.90 लाख करोड़ रुपये ट्रांजैक्शन हुआ है। इस डिजिटल पेमेंट्स प्लेटफॉर्म्स के जरिए अक्टूबर के महीने में कुल 25.47 अरब ट्रांजैक्शन हुए हैं। इस हिसाब से औसतन 821 मिलियन ट्रांजैक्शन हुआ है। बता दें, देश के कुल डिजिटल पेमेंट में 89 प्रतिशत हिस्सा यूपीआई का है। दिवाली तक यूपीआई पूरी तरह से फ्री है। पिछले महीने एनपीसीआई ने कहा था कि दिवाली तक यूपीआई पर एमडीआर चार्ज नहीं लगाया जाएगा। यह निर्णय पेमेंट कंपनियों के साथ मर्चेंट बॉडी आदि के आग्रह के बाद लिया गया। उनका मानना था कि इस फैसले की वजह से फेस्टिव सीजन में ग्राहकों का सेंटीमेंट प्रभावित होगा। बता दें, सितंबर के महीने में यूपीआई के जरिए 2000 रुपये से अधिक ट्रांजैक्शन पर 0.40 प्रतिशत का एमडीआर लगाया गया था। अलग-अलग ट्रांजैक्शन पर अलग-अलग फीस तय की गई।

4 कंपनियां आज ट्रेड कर रही हैं एक्स-डिविडेंड, एक ने किया 24 रुपये देने का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। इस साल कंपनी के शेयर आज चौथी बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी



की तरफ से एक शेयर पर निवेशकों को 4 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान किया गया है। शेयर बाजार में इस साल पहली बार कंपनी के शेयर फरवरी के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 3 रुपये का डिविडेंड दिया था। पिछले एक साल के दौरान इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 38 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। इस साल यह स्टॉक दूसरी बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड कर रहा है। इस कंपनी ने निवेशकों को एक शेयर पर 6 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इससे पहले अप्रैल के महीने में कंपनी के शेयर एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 6 रुपये का डिविडेंड मिला था। बता दें, बीते एक साल में कंपनी के शेयरों का दाम 1.36 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी की तरफ से इस बार योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 2 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। इसके लिए कंपनी ने आज यानी 2 नवंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इससे पहले स्टॉक सितंबर के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 2.50 रुपये का डिविडेंड मिला था।बीते एक साल में स्टॉक की कीमतों में 12 प्रतिशत गिरा है। वहीं, दो साल में कंपनी के शेयरों का दाम 33 प्रतिशत लुढ़क चुका है।

डेटा सेंटर बिजनेस बेचने की तैयारी में टाटा ग्रुप, दो विदेशी कंपनियों की है हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। एसटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड देश की टॉप तीन डेटा सेंटर कंपनियों में शामिल है। इसमें प्राइवेट इक्विटी ग्रुप केकेआर, सिंगापुर की कंपनी सिंगटेल और टाटा ग्रुप का निवेश है। ये तीनों कंपनियां बेचने की तैयारी में हैं। भारत में को-लोकेशन डेटा सेंटर की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। जानकारों का कहना है कि यह पहला मौका है जब भारत में इतना बड़ा पोर्टफोलियो बिक्री के लिए उपलब्ध है। माना जा सकता है कि यह डील 5.5 अरब डॉलर से बड़ी हो सकती है।

को-लोकेशन डेटा सेंटर ऐसी जगह होती है जहां कंपनियां अपने सर्वर और नेटवर्किंग हार्डवेयर रखने के लिए फिजिकल स्पेस किराए पर लेती हैं। इनमें रैक, कैबिनेट या केज्ड ऑफ रूम शामिल हैं। पास भारत के 10 शहरों में 34 डेटा सेंटर हैं जिनकी कुल कैपेसिटी 613 मेगावाट है। इस सेल प्रोसेस के लिए एडवाइजर्स नियुक्त किए जा चुके हैं।

किसकी कितनी हिस्सेदारी: इस बारे में केकेआर और टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। सिंगटेल, और टाटा कम्युनिकेशंस ने इस बारे में कोई जवाब नहीं दिया। फरवरी में केकेआर और सिंगटेल कंसोर्टियम ने एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर्स का फुल कंट्रोल लेने के लिए 5.2 अरब डॉलर के कैश बायआउट की



घोषणा की थी। अभी केकेआर की 75 फीसदी हिस्सेदारी है जबकि बाकी हिस्सेदारी सिंगटेल के पास है। कंपनी की इंडियन यूनिट में एसटीटी टेलीमीडिया का 74 फीसदी और टाटा कम्युनिकेशंस की 26 फीसदी हिस्सेदारी है। टाटा ग्रुप पहले ही डेटा सेंटर में अपने प्लान की घोषणा कर चुका है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी टीसीएस ने इंडिपेंडेंट प्लेटफॉर्म लॉन्च करने के लिए टीपीजी के साथ हाथ मिलाया है।

टाटा का बिजनेस

यह टाटा की एक डुअल ट्रैक पहल का हिस्सा है। टाटा अपनी कैपिटल जरूरतों को रीबैलेंस करना चाहता है। साथ ही ग्रुप अपने डेटा सेंटर प्लान को बेहतर बना रहा है। टाटा कम्युनिकेशंस भारत की उन कंपनियों में शामिल है जिन्होंने पहले-पहल डेटा सेंटर्स पर दांव लगाया था। 2016 में सिंगापुर की कंपनी एसटीटी ने भारत के डेटा सेंटर सेक्टर में एंट्री मारी थी और टाटा कम्युनिकेशंस के डेटा सेंटर बिजनेस में 74 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। टाटा कम्युनिकेशन की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक फाइनेंशियल ईयर 2026 में एसटीटी के इंडियन बिजनेस का रेवेन्यू 2,747.5 करोड़ रुपये रहा जो पिछले साल के मुकाबले 17.8 अधिक है। हालांकि इस दौरान कंपनी का प्रॉफिट 22.9 फीसदी गिरकर 126 करोड़ रुपये रह गया जो पिछले साल 163.5 करोड़ रुपये था। एयरफोर्स ने 104 साल के विंग कमांडर का जन्मदिन मनाकर छू लिया दिल, आईएएफ की डेंटल ब्रांच के रहे हैं फाउंडरयह भी पढ़ें :एयरफोर्स ने 104 साल के विंग कमांडर का जन्मदिन मनाकर छू लिया दिल, आईएएफ की डेंटल ब्रांच के रहे हैं फाउंडर अगले दो साल में भारत में डेटा सेंटर की कैपेसिटी 1.26 गीगावाट से बढ़कर 2 गीगावाट के ऊपर पहुंचने का अनुमान है। 2027 तक इस इंडस्ट्री में कुल निवेश 100 अरब डॉलर के पार पहुंचने का अनुमान है।

रिलायंस का शेयर रिजल्ट के बाद 7 उछला

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर आज बाजार खुलते ही 7 फीसदी से ज्यादा गया। बीएसई पर पिछले सत्र में यह 1163.55 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1227.40 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1251.90 रुपये तक उछला। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप भी 17 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया। कंपनी ने शुक्रवार को बंद बाजार बंद होने के बाद अपनी तिमाही रिजल्ट जारी किया था। आज उस पर बाजार की प्रतिक्रिया देखने को मिली। मुकेश अंबानी की कंपनी का दूसरी तिमाही में कंसोलिडेटेड प्रॉफिट 41 फीसदी उछलकर 25,548 करोड़ रुपये पहुंच गया जो पिछले साल समान तिमाही में 18,165 करोड़ रुपये था। ऑयल-टु-केमिकल और डिजिटल सर्विसेज बिजनेस के दमदार प्रदर्शन के कारण कंपनी का प्रॉफिट बढ़ा है। इस दौरान कंपनी के रेवेन्यू 29 फीसदी उछलकर 3.32 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। जेफरीज ने रिलायंस के शेयर पर बाय रेटिंग बनाए रखते हुए टारगेट प्राइस 1710 रुपये तय किया है। यह इसकी मौजूदा कीमत से 47 फीसदी ऊपर है। हालांकि नोमूरा ने रिलायंस का टारगेट प्राइस 1690 रुपये से घटाकर 1560 रुपये कर दिया। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने बाय रेटिंग के साथ 1703 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। इसका 52 हफ्ते का टॉप 1611.20 रुपये है। इस बीच हाल में लिस्टेड जियो प्लेटफॉर्म्स का शेयर भी शुरुआती कारोबार में 3 फीसदी से ज्यादा चढ़ गया।

सोने-चांदी की रिकॉर्ड गिरावट से लोन मार्केट का खेल बिगड़ने का खतरा



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय गोल्ड लोन मार्केट पूरी तरह सोने-चांदी की चाल पर टिका है। पिछले 12 महीनों में कर्ज का आंकड़ा 83 फीसदी बढ़ा है। यह बढ़कर 5.77 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों आई भारी गिरावट ने वित्तीय बाजारों की टेंशन बढ़ा दी है। टेक शेयरों में बिकवाली और ग्लोबल इकोनॉमिक प्रेशर के बीच सोने की कीमतों में करेक्शन हुआ है। इसने बैंकों, एनबीएफसी और कर्ज लेने वाले ग्राहकों के सामने नए जोखिम खड़े कर दिए हैं।

कैपिटलमाइंड म्यूचुअल फंड सीईओ दीपक शिनॉय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसके मुताबिक, बैंकों से लिए जाने वाले गोल्ड लोन में पिछले एक साल में 83 फीसदी की जोरदार ग्रोथ देखने को मिली है। कुल बकाया गोल्ड लोन बढ़कर 5.77 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसमें पिछले 12 महीनों में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की नई रकम जुड़ी है। हालांकि, यह तेजी एक सवाल खड़ा करती है। अगर आने वाले समय में सोने की कीमतों में और गिरावट आती है तो बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास गिरवी सोने (कोलेट्रल) का मूल्य कम होने की आशंका है। पीएम मोदी की अपील के बीच सोने-चांदी पर सरकार का बड़ा फैसला, फेस्टिव सीजन के बीच महंगी हो जाएगी खरीदारीयह भी पढ़ें:पीएम मोदी की अपील के बीच सोने-चांदी पर सरकार का बड़ा फैसला, फेस्टिव सीजन के बीच महंगी हो जाएगी खरीदारी

गिरावट से इनके लिए क्यों बढ़ा खतरा

अभी 24-कैरेट सोना रिकॉर्ड ऊंचे स्तर से नीचे आने लगा है। स्पष्ट्र दिसंबर गोल्ड फ्यूचर्स दबाव में है। अगर सोने की कीमतें आगे 15 फीसदी तक और घटती हैं तो ग्राहकों का लोन-टू-वैल्यू रेशियो बिगड़ सकता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, ज्यादातर गोल्ड लोन देने वाले 60-70 फीसदी के LTV पर काम करते हैं। लेकिन, कीमतें गिरने पर यह कुशन कम हो जाता है। इससे मुथूट फाइनेंस, मणप्पुरम फाइनेंस और आईआईएफएल फाइनेंस जैसी कंपनियों के लिए जोखिम बढ़ सकता है। धनतेरस-दिवाली अगले हफ्ते, पर सोने-चांदी में फूंक-फूंककर खरीद, बदलती पसंद या कुछ और है धनतेरस-दिवाली अगले हफ्ते, पर सोने-चांदी में फूंक-फूंककर खरीद, बदलती पसंद या कुछ और है वजह ग्लोबल मोर्चे पर टेक शेयरों में सुस्ती और एआई खर्चों से पर्याप्त रिटर्न न मिलने की चिंताएं हैं।

सिर्फ दो साल पहले शुरुआत, अब हर महीने 1.7 करोड़, दोस्तों की तिकड़ी ने ऐसे कर दिया कमाल

नई दिल्ली,एजेंसी। यह कहानी तीन दोस्तों की है। इनके नाम हैं-निशांक गोयल, अखिल कुमार और बोधी राठौर। तीनों आईआईएम अहमदाबाद के पढ़े हैं। 2024 में इन्होंने अपने स्टार्टअप की शुरुआत की थी। इसका नाम 'गिमी मिची' है। यह गुरुग्राम-बेस्ड फूड स्टार्टअप है। अपनी अनूठी ब्रांडिंग और क्विक-कॉमर्स स्ट्रैटेजी के दम पर इसने अपनी अलग पहचान बना ली है। यह भारतीय कंज्यूमर्स को किफायती दामों पर ऑथेंटिक कोरियन रामेन, कप नूडल्स और सॉसेज उपलब्ध करा रहा है। दो साल के भीतर स्टार्टअप आज हर महीने 1.7 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल करने लगा है। आइए, यहां निशांक, अखिल और बोधी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

'गिमी मिची' की नींव 2024 में पड़ी थी। आईआईएम अहमदाबाद के एमबीए कोर्स के तीसरे टर्म के दौरान। एक कॉलेज प्रोजेक्ट के तौर पर इसकी शुरुआत हुई थी। निशांक, अखिल और बोधी ने देखा कि भारत के छोटे-बड़े शहरों में कोरियन कल्चर और फूड का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है। टेक और प्रोडक्ट बैकग्राउंड से होने के बावजूद उन्होंने एफएमसीजी सेक्टर में उतरने का फैसला किया। आईआईएम वेंचर्स से मिले शुरुआती ग्रांट और खुद की पूंजी से उन्होंने इस विजन को अमलीजामा पहनाया। मार्केट रिसर्च के दौरान तीनों दोस्तों ने पाया कि भारत में बिकने वाला कोरियन रामेन या

कॉलेज प्रोजेक्ट के तौर पर हुई शुरुआत



तो 130-140 रुपये प्रति पैक वाला महंगा इम्पोर्टेड माल था या फिर बेहद सस्ता लेकिन बेस्वाद लोकल ऑप्शन। इसी गैप को खत्म करने के लिए तिकड़ी ने स्टार्टअप के तहत असली कोरियन स्वाद और बजट-फ्रेंडली रेंज पेश करने का टारगेट रखा। उन्होंने खुद ही रेसिपीज डेवलप कीं। सब्जियों की भरपूर मात्रा के साथ सूप-बेस्ड रामेन तैयार किया। ऑफिशियल लॉन्चिंग अप्रैल 2025 में की। कोरियन किम्ची और स्पाइसी फ्लेवर्स के साथ।

बाजार में खुद को अलग पहचान देने के लिए स्टार्टअप ने एक अलग तरीका अपनाया। अपनी मार्केटिंग स्ट्रैटेजी के तहत दोस्तों ने अलग-अलग कॉलेजों में घूम-घूमकर फ्री रामेन बांटने वाला 'रामेन भंडारा' आयोजित किया। सोशल मीडिया पर यह छा गया। ब्रांड ने तैयार रामेन के अलावा किम्ची पेस्ट, गोचुजांग पेस्ट और चिली ऑयल भी लॉन्च किया। मकसद था कि भारतीय रसोई में सीधी पैठ बनाई जा सके। जून 2026 में दोस्तों ने इंडिया कोशिएंट, देव-वीसी और टाइटन कैपिटल के नेतृत्व में करीब 8.3 करोड़ की सीड फंडिंग जुटाई। गुरुग्राम बेस्ड यह स्टार्टअप अब ब्लिंकिट पर लाइव होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

दोगुना से ज्यादा बढ़ा मुनाफा, डिविडेंड का भी ऐलान, रॉकेट बना इंजीनियर्स इंडिया का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के शेयरों में अच्छी हलचल देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर सोमवार को 13 पर्सेंट की तेजी के साथ 285.20 रुपये पर पहुंच गए हैं। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मजबूत वित्तीय नतीजों के बाद इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के शेयरों में यह उछाल आया है। दूसरी तिमाही में कंपनी की प्रॉफिटैबिलिटी में अच्छा सुधार देखने को मिला है। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में इंजीनियर्स इंडिया का टैक्स भुगतान के बाद कंसॉलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 135.6 पर्सेंट बढ़कर 196.68 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 83.49 करोड़ रुपये था। नवरत्न कंपनी



इंजीनियर्स इंडिया अपने शेयरधारकों को 2 बार बोनस शेयर का तोहफा भी दे चुकी है। नवरत्न कंपनी इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में टैक्स भुगतान के बाद 179.75 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन प्रॉफिट हुआ है। कंपनी का स्टैंडअलोन मुनाफा सालाना आधार पर 56.6 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड का स्टैंडअलोन प्रॉफिट 114.81 करोड़ रुपये था। इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 30 अक्टूबर को मीटिंग हुई है, जिसमें बोर्ड ने 30 सितंबर 2026 को खत्म हुई तिमाही और पहली छमाही के अनऑडिटेड स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी। कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 5 रुपये फेस वैल्यू वाले हर शेयर पर 1.50 रुपये का पहला अंतरिम डिविडेंड डिक्लेयर किया है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में स्टैंडअलोन बेसिस पर इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड को ऑपरेशंस से मिलने वाला रेवेन्यू सालाना आधार पर 10.9 पर्सेंट घटकर 802.36 करोड़ रुपये रहा है।

आज हजारों करोड़ का 'अजंता' साम्राज्य, कभी 1 लाख की पूंजी से घड़ियों के पितामह ने रखी थी नींव

नई दिल्ली, एजेंसी। इस ब्रांड से शायद ही कोई भारतीय वाकिफ न हो। कभी दीवार पर टंगी घड़ियों से तो कभी हाथ लगे कैलकुलेटर या किचन में अप्लायंस तक। इससे सामना होता ही आया है। सिर्फ 1 लाख रुपये से इसकी शुरुआत हुई थी। वह साधारण सा सफर आज हजारों करोड़ के साम्राज्य में बदल चुका है। यह ब्रांड सिर्फ समय देखने का जरिया नहीं, बल्कि पीढ़ियों के भरोसे का प्रतीक बन चुका है। इसका श्रेय जाता है ओधवजी राघवजी पटेल को। उन्होंने भारत में वॉल क्लॉक इंडस्ट्री की नींव रखकर इसे घर-घर तक पहुंचा दिया।

ऐसे घर-घर पहुंचा दिया

साल 1971 की बात है। स्कूल में साइंस पढ़ाने वाले टीचर ओधवजी राघवजी पटेल ने अजंता के सफर की शुरुआत की थी। तब शायद ही किसी ने सोचा था कि यह नाम आगे चलकर इतिहास रचेगा। शुरुआती तीन सालों तक उन्होंने भारी नुकसान झेला। पार्टनर्स ने भी साथ छोड़ दिया। इसके बावजूद ओधवजी ने क्वालिटी और किफायती उत्पादों के अपने मूल मंत्र को नहीं छोड़ा। 1985-86 में कंपनी ने भारत की पहली क्वार्ट्ज क्लॉक 'जनता' बाजार में उतारी। बिना चाबी के सटीक समय देने की खूबी के साथ हर भारतीय परिवार का इसने दिल जीत लिया। ब्रांड की



जड़ें मजबूत हो गईं। इस ब्रांड की सफलता के पीछे सिर्फ बेहतरीन उत्पाद नहीं है। इसके बजाय पीछे काम करने वाली मजबूत मानवीय मूल्य प्रणाली भी है। जब शुरुआती दौर में पुरुष कामगारों की कमी खली तो कंपनी ने स्थानीय महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार से जोड़ा। ब्रांड के कुल वर्कफोर्स में आज 95 फीसदी हिस्सा महिलाओं का है। मैन्युफैक्चरिंग से लेकर मैनेजमेंट तक हर मोर्चे पर ये अपनी क्षमता का लोहा मनवा रही हैं। यही सोच अजंता को अन्य ब्रांड्स से पूरी तरह अलग और खास बनाती है। समय के साथ कदम मिलाते हुए अजंता ने खुद को सिर्फ एक 'घड़ी बनाने वाली कंपनी' तक सीमित नहीं रखा। इसके बजाय 'ऑरपेट' ब्रांड के तहत अपने पोर्टफोलियो का जोरदार विस्तार किया। टेलीफोन, कैलकुलेटर से लेकर मिक्सर-ग्राइंडर, रूम हीटर, हैंड ब्लेंडर और एलईडी लाइट्स तक, हर उत्पाद में ब्रांड ने उसी भरोसे को बनाए रखा जिसके लिए वह जाना जाता था। आधुनिक जरूरतों को ध्यान में रखकर 'एयर पॉल्यूशन इंडेक्स क्लॉक' जैसे इनोवेटिव प्रोडक्ट पेश करना इस बात का सबूत है कि यह ब्रांड लगातार प्रासंगिक बने रहने में भरोसा रखता है।

दुनिया के कई देशों में जमाई धाक

आज यह ब्रांड तीसरी पीढ़ी के हाथों में है। इसके बावजूद यह अपने संस्थापक के मूल सिद्धांतों पर पूरी तरह अडिग है। देशभर में इसके 450 डिपो हैं। 50,000 से ज्यादा रिटेलर्स का विशाल नेटवर्क है। दुनिया के 45 से ज्यादा देशों में यह ब्रांड अपनी धाक जमा चुका है। संकट के समय भी कर्मचारियों का साथ न छोड़ना और हर हफ्ते खुद ग्राहकों के फीडबैक की समीक्षा करना यह साबित करता है कि अजंता सिर्फ कमर्शियल ब्रांड नहीं है। इसके बजाय भारतीय उपभोक्ताओं के दिलों में बसा ऐसा परिवार है जो समय के हर पैमाने पर खरा उतरा है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला कैंट भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के रेलवे स्टेशनों पर अनुबंधों के आवंटन के लिए IREPS वेबसाइट पर ई-ऑक्शन के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	लॉट संख्या	विवरण	नीलामी प्रारंभ तिथि/समय
1	ADVT-UMB-KARR-OH-388-26-1	स्थल योजना के अनुसार, अंबाला मंडल खरड़.– फतेहगढ़ साहिब. एवं खरड़.– लाल कलां खंड में समपार फाटकों/आर.यू.बी./एल.एच.एस. पर स्थित यूनिपोल/होर्डिंग वाले 26 स्थलों का कुल विज्ञापन क्षेत्र 3748 वर्ग फुट है।	12.11.2026 12:00:00 hrs.
2	ADVT-UMB-LHA-OH-386-26-1	स्थल योजना के अनुसार, अंबाला मंडल के लहरागागा– गुरने खंड में समपार फाटकों/आर.यू.बी./एल.एच.एस. पर स्थित 04 स्थानों पर 08 साइटों, जिनमें यूनिपोल/होर्डिंग शामिल हैं, का कुल विज्ञापन क्षेत्र 1440 वर्ग फुट है।	12.11.2026 12:00:00 hrs.
3	ADVT-UMB-SASN-OH-389-26-1	स्थल योजना के अनुसार, अंबाला मंडल के मोहाली./ खरड़ खंड में समपार फाटकों/आर.यू.बी./एल.एच.एस. पर स्थित यूनिपोल/होर्डिंग वाले 29 स्थलों का कुल विज्ञापन क्षेत्र 6346 वर्ग फुट है।	12.11.2026 12:00:00 hrs.
4	ADVT-UMB-NLDM-OH-347-26-1	साइट प्लान के अनुसार नंगल डैम (NLDM) रेलवे स्टेशन पर यूनिपोल/होर्डिंग के माध्यम से विज्ञापन के लिए कुल दो (02) साइटें हैं जिनका कुल क्षेत्रफल 870 वर्ग फुट है।	12.11.2026 12:00:00 hrs.
5	ADVT-UMB-ABS-OH-390-26-1	स्थल योजना के अनुसार, अंबाला मंडल के बठिंडा.– अबोहर खंड में समपार फाटकों/आर.यू.बी./एल.एच.एस. पर स्थित 04 स्थानों पर 04 साइटों, जिनमें यूनिपोल/होर्डिंग शामिल हैं, का कुल विज्ञापन क्षेत्र 576 वर्ग फुट है।	12.11.2026 12:00:00 hrs.
6	ADVT-UMB-PTA-OH-385-26-1	स्थल योजना के अनुसार, अंबाला मंडल के राजपुरा–धुरी खंड में समपार फाटकों/आर.यू.बी./एल.एच.एस. पर स्थित 04 स्थानों पर 08 साइटों, जिनमें यूनिपोल/होर्डिंग शामिल हैं, का कुल विज्ञापन क्षेत्र 1152 वर्ग फुट है।	12.11.2026 12:00:00 hrs.
7	ADVT-UMB-DUI-OSN-382-26-1	धूरी रेलवे स्टेशन पर 140 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाले 16 विज्ञापन बोर्डों, सगरूर में 87.5 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाले 10 विज्ञापन बोर्डों तथा सुनाम उधम सिंह वाला रेलवे स्टेशन पर 35 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाले 04 विज्ञापन बोर्डों के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन (नॉन-डिजिटल) (स्थल योजना के अनुसार)।	12.11.2026 12:00:00 hrs.
8	ADVT-UMB-KARR-OSN-381-26-1	खरड़ रेलवे स्टेशन पर 225 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाले 09 विज्ञापन बोर्डों, समराला में 210 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाले 08 विज्ञापन बोर्डों तथा न्यू मोरिंडा रेलवे स्टेशन पर 510 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाले 17 विज्ञापन बोर्डों के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन (नॉन-डिजिटल) (स्थल योजना के अनुसार)।	12.11.2026 12:00:00 hrs.

नीलामी/लीजिंग आमंत्रण सूचना, नीलामी प्रपत्र, एक बार पंजीकरण व अधिक जानकारी हेतु, रेलवे वेबसाईट www.ireps.gov.in पर जाये।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

3885/26



घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख-शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़ें भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति-पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वारा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी-भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार क बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

शीशे के शो-पीस

शीशे के शो-पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो-पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वासा होगा।



दिवाली पर पहनें ये ड्रेस और पाएं परफेक्ट ट्रेडिशनल लुक

दिवाली का त्योहार नजदीक है और ऐसे में फेस्टिव सीजन के समय ट्रेडिशनल ड्रेस ही परफेक्ट होते हैं। खासकर दिवाली के मौके पर तो लड़कियां ट्रेडिशनल लुक ही कैरी करना ज्यादा पसंद करती हैं। वहीं ट्रेडिशनल लुक मतलब साड़ी, लहंगा और सलवार सूट के बारे में सबसे पहले विचार आता है। लेकिन अगर आप साड़ी, लहंगा, सलवार सूट पहनकर बोर हो चुकी हैं और चाहती हैं कि इस दिवाली पर कुछ डिफरेंट ट्रेडिशनल ड्रेस ट्राई करना तो शरारा आपके लिए बेहतरीन है। इस वक्त खासकर लड़कियां शरारा ड्रेस को काफी पसंद भी कर रही हैं। वहीं यदि दिवाली के दिन आप एकदम परफेक्ट लुक पाना चाहती हैं तो आपको शरारा जरूर ट्राई करना चाहिए।

ब्लैक एंड व्हाइट शरारा

अगर दिवाली के दिन आप सिम्पल ट्रेडिशनल लुक चाहती हैं तो आप कॉटन का ब्लैक एंड व्हाइट शरारा ट्राई कर सकती हैं। इसके साथ ही आप हल्का-सा मेकअप कर सकती हैं, साथ ही हैवी झूमके भी कैरी कर सकती हैं।

लाइट पर्पल शरारा

इस दिवाली स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो पर्पल कलर का शरारा ट्राई कर सकती हैं और इसके साथ आप ईयररिंग्स कैरी कर सकती हैं और गोटा लगा हुआ दुपट्टा कैरी कर सकती हैं।

गोल्डन शरारा

अगर दिवाली के दिन आप थोड़ा हैवी लुक में रहना चाहती हैं तो आपको गोल्डन शरारा ट्राई करना चाहिए। ये आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगा। आप कुर्ते को स्लीवलेस भी रख सकती हैं। इसके अलावा इससे मैच करता हुई ईयररिंग्स भी कैरी कर सकती हैं।

व्हाइट शरारा

फेस्टिवल सीजन में व्हाइट शरारा एक बेहतरीन विकल्प है। यह आपको एलीगेंट और परफेक्ट लुक देगा। आप चाहें तो व्हाइट शरारा के साथ ब्लैक मेटल की ईयररिंग्स कैरी कर सकती हैं।

दिवाली में इन फैशन टिप्स को करें फॉलो

दिवाली के त्योहार में स्वादिष्ट पकवान, दीये जगमग रोशनी और बहुत सारी खुशियों का त्योहार है। इसके साथ ही दिवाली में अच्छी तरह से तैयार होकर बिलकुल परफेक्ट नजर आना भी जरूरी होता है। दिवाली के दिन परफेक्ट मेकअप और ड्रेसअप का पूरा ख्याल रखा जाता है। यदि आप भी इस दिवाली अपनी ड्रेस को लेकर कन्फ्यूज हैं तो हम आपको यहां कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप अपना ये कन्फ्यूजन बिलकुल खत्म कर सकती हैं। दिवाली की पार्टी में आप ब्लैक और गोल्डन कलर के ब्रोकेड लहंगा ट्राई कर सकती हैं, इसके साथ ही गोल्डन कलर के बड़े-बड़े झूमके, मांगटीका और बालों में गजरे के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस लुक के साथ आप यकीनन किसी बॉलीवुड डीवा से कम नहीं लगेंगी। कलरफुल डिजाइन का लहंगा भी आप इस दिवाली ट्राई कर सकती हैं। कलरफुल डिजाइन का लहंगा और मिरर वर्क के साथ आप इस दिवाली अपने लुक में चार चांद लगा देंगी। इसके साथ ही आप सिम्पल ईयररिंग्स के साथ अपने लुक को कम्प्लीट कर सकती हैं। ब्लैक एंड गोल्डन कलर के लहंगे में आप एक बेहतरीन लुक पा सकती हैं। इसमें आप बेहद खूबसूरत नजर आएंगी। आप इसे व्हाइट कलर के स्टोल के साथ टीमअप करके पहन सकती हैं, साथ में मैचिंग बड़े-बड़े झूमकों के साथ आप अपने लुक को कई गुना और बेहतर बना सकती हैं। इसके साथ ही आप रफल साड़ी, कुर्ती एंड प्लाजो, शॉर्ट कुर्ती एंड स्कर्ट भी इस दिवाली ट्राई कर सकती हैं। लहंगा स्कर्ट और क्रॉप टॉप के साथ भी आप अपना परफेक्ट दिवाली लुक पा सकती हैं, इसके साथ ही आप हैवी झूमके ट्राई कर सकती हैं।





टेंशन फ्री दिवाली क्लीनिंग!

इन ट्रिक्स से जगमग-जगमग करेगा घर का हर कोना

दिवाली का त्योहार आते ही चारों ओर रौनक देखने को मिलती है। इस दौरान घरों को सजाया जाता है। हर तरफ लाइट और दीयों की रोशनी देखने को मिलती है। दिवाली से पहले घरों की सफाई जरूर की जाती है। हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं, जिसे अपनाकर आप भी घर के कोने-कोने की सफाई कर सकेंगी। दिवाली का त्योहार नजदीक है। इस खुशी के मौके पर घर की साफ-सफाई करना तो जरूरी ही होता है, लेकिन अक्सर ये काम काफी थकाऊ और लंबा लगने लगता है। इस बार दिवाली की सफाई को लेकर बिल्कुल भी टेंशन मत लें। हम आपके लिए कुछ ऐसे आसान और जबरदस्त ट्रिक्स लाए हैं, जिनकी मदद से आपका घर सिर्फ तीन दिनों में चमक उठेगा। आपको बस इन ट्रिक्स को फॉलो करना है और आप देखेंगी कि बिना ज्यादा मेहनत किए, घर का हर कोना चकाचक हो जाएगा।

घर के मंदिर को करें साफ

दिवाली पर मां लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है। मंदिर और मूर्तियों की सफाई करना बहुत जरूरी है। अगर आपके पास पीतल की मूर्तियां हैं तो नींबू के रस और बेकिंग सोडा से रगड़ सकती हैं। इससे उनमें चमक लौट आएगी। पूजा के दीयों और चौकी को भी गीले कपड़े से पोंछ लें।

नींबू से माइक्रोवेव करें साफ

माइक्रोवेव में खाने के छींटे और बदबू आम बात है। इसे साफ करने भी लोग कतराते हैं। ऐसे में दिवाली के मौके पर आप आधा नींबू निचोड़कर 4 चम्मच पानी में मिलाएं। इसके बाद इसे माइक्रोवेव में 10 से 15 मिनट के लिए गर्म करें। स्टीम बनने से माइक्रोवेव में जमी गंदगी आसानी से निकल जाएगी। इसके बाद सूखे कपड़े से उसे पोंछ दें।

टंकी और टाइलों को ऐसे करें साफ

बाथरूम या किचन में नलों पर जो दाग पड़ जाते हैं, वो देखने में काफी खराब लगते हैं। ऐसे में इनकी सफाई करने के लिए आपको एप्पल साइडर विनेगर और नींबू के रस को बराबर मात्रा में मिलाना होगा। इसे नलों पर 10 मिनट के लिए लगा दें। इसके बाद कपड़े से साफ कर दें। आप खुद देखेंगी कि इसमें नई चमक वापस लौट आई।

शीशे और खिड़कियों की सफाई भी जरूरी

व्हाइट विनेगर और पानी को बराबर मात्रा में मिलाकर स्प्रे बोतल में भर लें। इससे शीशे, खिड़कियां या आइने पर स्प्रे करें। कुछ मिनट बाद साफ कपड़े से पोंछ लें। इससे दाग-धब्बे गायब हो जाएंगे और शीशे बिलकुल नए जैसे चमकने लगेंगे।

बेकिंग सोडा से करें फिटिंग्स क्लीन

बाथरूम की फिटिंग्स या टाइल्स के बीच की जगह पर बेकिंग सोडा छिड़क दें। उस पर थोड़ा लिक्विड साबुन भी डालें और पुरानी ब्रश से रगड़ें। ये तरीका गंदगी और कीटाणु दोनों को हटाने में काफी असरदार है।

पंखे और लाइट्स से हटाएं जाले

अक्सर पंखे और बल्बों पर धूल जम जाती है। इन्हें गीले कपड़े या लंबी डस्टिंग ब्रश से साफ करें। ऐसा करने से घर की लाइटिंग और हवा दोनों में ताजगी महसूस होगी। वहीं दूसरी ओर गद्दे या सोफे पर बेकिंग सोडा छिड़कें, थोड़ा सिरका स्प्रे करें और कुछ घंटे बाद वैक्यूम कर लें। इससे धूल, बदबू और कीड़े-मकोड़े सब भाग जाएंगे। दिवाली से पहले पर्दे, कुशन कवर और बेडशीट बदल लें।



एक से ज्यादा पैन कार्ड तो तुरंत करें सरेंडर

लोगों के मन में दो पैन को लेकर सवाल हैं कि अगर किसी के पास एक से ज्यादा पैन कार्ड है तो इसे सरेंडर कैसे करना होगा। आइए आज हम आपकी कंफ्यूजन दूर करने के साथ-साथ यहां ऑनलाइन प्रोसेस भी बताएंगे।

पैन कार्ड नागरिकों के लिए जरूरी दस्तावेजों में से एक है, जिसको लेकर केंद्र सरकार ने बड़े बदलाव की घोषणा कर दी है। दरअसल, आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने हाल ही में PAN 2.0 परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना का उद्देश्य पैन, टैक्स कटौती और TAN जारी करने और मैनेज करने की प्रक्रिया को आसान व सुरक्षित बनाना है। ऐसे में, लोगों के मन में अब एक सवाल यह भी आ रहा है है कि अगर किसी के पास एक से अधिक पैन कार्ड होगा है तो क्या होगा, कितना जुर्माना लगेगा और दूसरे पैन को सरेंडर करने का तरीका क्या है।

एक्स्ट्रा पैन कार्ड रखने पर क्या होता है?

प्रेस सूचना ब्यूरो के अनुसार, आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों के मुताबिक, किसी भी व्यक्ति के पास एक से अधिक पैन कार्ड रखने की अनुमति नहीं है। अगर किसी व्यक्ति के पास दो पैन है तो वह जल्द से जल्द अपने पैन को सरेंडर करा लें। वरना इसके लिए आपको जुर्माना भी देन पड़ सकता है। आपको बता दें कि पैन 2.0 प्रोजेक्ट में एक व्यक्ति के एक से अधिक पैन रखने की घटनाएं कम हो सकती हैं। अगर आपने भी एक्स्ट्रा पैन अपने पास रखा है या किसी तरह मिला है तो आपको तुरंत इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इसकी सूचना देकर इसे रद्द कर देना होगा।

कितना देना पड़ सकता है जुर्माना?

दो पैन कार्ड रखने की अनुमति किसी के पास नहीं है। ऐसे में, अगर किसी व्यक्ति के पास एक से अधिक पैन कार्ड है, तो आयकर अधिनियम की धारा 272बी के अनुसार उनपर 10,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

पैन कार्ड सरेंडर करने की प्रक्रिया

पैन सर्विस वेबसाइट के मुताबिक, एक्स्ट्रा पैन कार्ड को सरेंडर करवाने के लिए आपको आयकर विभाग के समक्ष पैन चेंज कराने का रिक्वेस्ट देना होगा। इसके साथ आपको वर्तमान पैन नंबर का भी जिक्र करना होगा। इसके अलावा, आपको अनजाने में दिए गए अन्य सभी पैन का नंबर भी बताना होगा। इस फॉर्म के साथ आपको सरेंडर के लिए फॉर्म 11 जमा करना होगा। साथ में, संबंधित सारे पैन कार्ड की एक-एक कॉपी भी जमा करनी होगी।



मेरी डिक्शनरी में डर शब्द नहीं: गंभीर

कप्तान अय्यर ने कहा- गेंदबाजी और फील्डिंग में सुधार की जरूरत

नई दीली। भारत ने न्यूजीलैंड को 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-2 से हराया। सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, मेरी डिक्शनरी और डायरेक्टरी में डर नाम का कोई शब्द नहीं है। गंभीर ने पहले मैच का उदाहरण देते हुए खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने बताया कि टीम ने 15 घंटे की लंबी फ्लाइट के बाद सिर्फ एक अभ्यास सत्र किया था, इसके बावजूद मुकाबला जीत लिया। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि गेंदबाजी और फील्डिंग बेहतर हो सकती थी। वहीं न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को सीरीज का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पांच मैचों में 341 रन बनाए।

- **ध्यान अब वनडे सीरीज पर: अय्यर** – अय्यर के मुताबिक, न्यूजीलैंड में खेलने के दौरान खिलाड़ियों को अलग तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आसमान में साफ रोशनी और मैदान पर अंधेरे जैसी स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियां भारत में आमतौर पर देखने को नहीं मिलतीं। कप्तान ने यह भी कहा कि टीम इन कमियों पर चर्चा करेगी। हालांकि, उनका ध्यान अब वनडे सीरीज पर है और खिलाड़ी अच्छे मूड में हैं।
- **ऋषभ पंत की चोट पर गंभीर के पास अपडेट नहीं** – प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर से ऋषभ पंत की उपलब्धता को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास पंत की चोट को लेकर कोई पक्की जानकारी नहीं है।

थकान के बावजूद जीत हासिल की

गंभीर ने कहा, विदेशी परिस्थितियों में खेलते समय टीम को मुश्किल हालात से घबराना नहीं चाहिए। न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को लंबी यात्रा और कम अभ्यास का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद पहले मैच में जीत हासिल करना आसान नहीं था। गंभीर ने इसी प्रदर्शन को टीम की मानसिक मजबूती का उदाहरण बताया। सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में भारत ने लगातार जीत दर्ज की। इसके बाद न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए आखिरी दोनों मैच अपने नाम किए।

सीरीज का नतीजा उलटा भी हो सकता था- सैंटनर

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने माना कि सीरीज काफी करीबी रही। उनके मुताबिक, शुरुआती दो मुकाबलों में कुछ ऐसे मौके आए, जिन्हें न्यूजीलैंड भुना सकता था। अगर टीम उन मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करती, तो सीरीज का नतीजा भारत के बजाय न्यूजीलैंड के पक्ष में भी हो सकता था। सैंटनर ने गेंदबाजी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आखिरी दो मैचों में गेंदबाजों ने परिस्थितियों के हिसाब से अपनी रणनीति बदली। तेज गेंदबाजों ने यॉर्कर, वाइड गेंदों और सही लेंथ का इस्तेमाल किया।

पीवी सिंधु ने रचा इतिहास

हाइलो ओपन जीतकर सीजन का दूसरा खिताब अपने नाम किया

जर्मनी: भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने एक बार फिर अपने शानदार खेल से देश का नाम रोशन किया है। सिंधु ने जर्मनी में खेले गए हाइलो ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में डेनमार्क की लाइन केजर्सफेल्ट को सीधे गेमों में 21-12, 21-14 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु ने मौजूदा सीजन का अपना दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया है।

पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहीं सिंधु – सिंधु का हाइलो ओपन में प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने फाइनल तक के सफर में एक भी गेम नहीं गंवाया। अपने अभियान की शुरुआत उन्होंने भारतीय खिलाड़ी प्रकृति भरत को हराकर की। इसके बाद फ्रांस की रोजी ओक्टाविया पंकासारी और जर्मनी की अमाली शुल्ज को मात देकर क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उन्होंने भारत की ही अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया।

39 मिनट में फाइनल जीतकर बनीं चैंपियन

पीवी सिंधु ने फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहला गेम महज 17 मिनट में 21-12 से जीतकर डेनमार्क की खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने अपनी लय बरकरार रखी और 21-14 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय शटलर ने यह फाइनल केवल 39 मिनट में जीतकर शानदार अंदाज में खिताब पर कब्जा किया।

जापान ओपन के बाद अब हाइलो ओपन पर कब्जा

पीवी सिंधु के लिए यह साल खिताब के लिहाज से शानदार रहा है। उन्होंने जुलाई में जापान ओपन 2026 के फाइनल में जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर खिताब जीता था। अब हाइलो ओपन जीतकर उन्होंने इस सीजन का दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम कर लिया है।

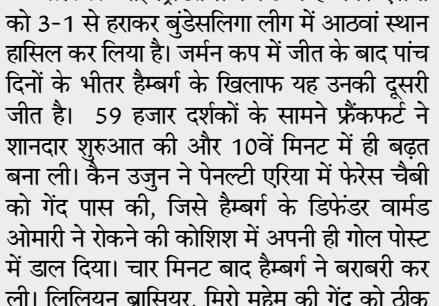


फ्रैंकफर्ट ने हैम्बर्गर को 3-1 से हराया, टॉप-8 में हुई एंट्री



बर्लिन। आइनट्राख्त फ्रैंकफर्ट ने हैम्बर्गर एसवी को 3-1 से हराकर बुंडेसलिगा लीग में आठवां स्थान हासिल कर लिया है। जर्मन कप में जीत के बाद पांच दिनों के भीतर हैम्बर्ग के खिलाफ यह उनकी दूसरी जीत है। 59 हजार दर्शकों के सामने फ्रैंकफर्ट ने शानदार शुरुआत की और 10वें मिनट में ही बढ़त बना ली। कैन उजुन ने पेनल्टी एरिया में फेरेस चैबी को गेंद पास की, जिसे हैम्बर्ग के डिफेंडर वार्मड ओमारी ने रोकने की कोशिश में अपनी ही गोल पोस्ट में डाल दिया। चार मिनट बाद हैम्बर्ग ने बराबरी कर ली। लिलियन ब्रासियर, मिरो मुहेम की गेंद को ठीक से नहीं संभाल पाए, जिसका फायदा उठाते हुए अल्बर्ट ग्रोनबेक ने टेरेम मोफी को पास दिया। मोफी ने करीब से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हाफ टाइम से ठीक पहले फ्रैंकफर्ट के कप्तान रॉबिन कोच ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन गोलकीपर डैनियल ह्यूअर फर्नांडीस ने उनके हेडर को बाहर धकेल दिया। हाफ टाइम के तुरंत बाद फ्रैंकफर्ट ने फिर से बढ़त बना ली। चैबी के कॉर्नर पर ब्रासियर ने हेडर लगाया, जिसे ह्यूअर फर्नांडीस पूरी तरह रोक नहीं पाए। रिबाउंड पर राफेल ओन्येदिका ने 47वें मिनट में गोल किया।

सेंथिलकुमार ने चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में बनाई जगह



ब्रनो। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने ब्रनो में चल रहे चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। 35,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस पीएसए कॉपर-लेवल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में उन्होंने फ्रांस के खिलाड़ी और विश्व नंबर 32 ऑगस्ट डुसॉर्ड को हराया। सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाड़ी को 11-7, 12-10, 11-1 से मात दी। चौथे वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अब फाइनल में स्कॉटलैंड के ग्रेग लोबन (जो शीर्ष वरीयता प्राप्त हैं और विश्व रैंकिंग में 31वें नंबर पर हैं) का सामना करेंगे। सेंथिलकुमार इस सीजन में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। शीर्ष वरीयता प्राप्त लोबन ने फ्रांस के तौफिक मेखल्फी को 11-9, 11-5, 11-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले, सेंथिलकुमार ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। पहले गेम में भारतीय खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को आसानी से 11-3 से हराया।



दिल्ली में नहीं खेल पाएंगे विराट कोहली

श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे की मेजबानी पर संकट

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली को अपने घरेलू मैदान दिल्ली में खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे फैंस को निराशा हाथ लग सकती है। भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाले वनडे सीरीज के पहले मुकाबले की मेजबानी दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम से छिन सकती है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से वेन्यू बदलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

विराट कोहली की दिल्ली वापसी का इंतजार कर रहे थे फैंस – विराट कोहली के लिए दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम बेहद खास है। इसी मैदान और दिल्ली के घरेलू क्रिकेट से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2019 में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने उनके योगदान को सम्मान देते हुए स्टेडियम के एक प्रमुख स्टैंड का नाम 'विराट कोहली पवेलियन' रखा था। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ दिल्ली में होने वाला वनडे मुकाबला स्थानीय फैंस के लिए कोहली को अपने घरेलू मैदान पर देखने का शानदार अवसर हो सकता था।

- **आउटफील्ड के निर्माण कार्य के कारण बदला जा सकता है वेन्यू** – दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इस समय आउटफील्ड को आधुनिक बनाने का काम चल रहा है। डीडीसीए ने मैदान में सैंड बेस्ड ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने का फैसला किया है। इस तकनीक से बारिश के बाद मैदान से पानी तेजी से निकल सकेगा और मैच दोबारा शुरू करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे काम को पूरा होने में करीब चार महीने लगेंगे और स्टेडियम आईपीएल 2027 से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएगा।

अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे कब खेला गया था?

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे इंटरनेशनल मुकाबला 11 अक्टूबर 2023 को खेला गया था। यह आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 का मुकाबला था, जिसमें भारत ने अफगानिस्तान को आठ विकेट से हराया था। फिलहाल स्टेडियम में निर्माण कार्य के चलते दिल्ली की घरेलू टीम को भी अपने रणजी ट्रॉफी मुकाबले पालम स्थित एयरफोर्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में खेलने पड़ रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी में जुटे विराट कोहली

दूसरी ओर विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। टी20 सीरीज खत्म होने के बाद वह न्यूजीलैंड पहुंच चुके हैं और नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे 4 नवंबर को खेला जाएगा। टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद कोहली का फोकस अब मुख्य रूप से वनडे और टेस्ट

एंटोनेली ने सबसे कम उम्र के एफ1 चैंपियन का खिताब जीता

नई दिल्ली। किमी एंटोनेली ने रविवार को इतिहास रचते हुए फॉर्मूला वन के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 20 वर्षीय मर्सिडीज ड्राइवर ने मैक्सिको सिटी ग्रांड प्रिक्स में मैक्स वर्स्टापेन और लुईस हैमिल्टन के बाद तीसरे स्थान पर रहकर यह उपलब्धि प्राप्त की।

किमी, जो फॉर्मूला वन रेसिंग में अपने दूसरे ही सीजन में हैं, ने सेबेस्टियन वेटेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो 2010 में अपनी चार ड्राइवर चैंपियनशिप में से पहली चैंपियनशिप जीतने के समय 23 साल और 133 दिन के थे। अपनी उपलब्धि की वास्तविकता को समझते हुए किमी अपने आँसू रोकने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

टीम रेडियो पर, नव-ताजपोश विश्व चैंपियन पहले तो कुछ बोल नहीं पा रहे थे, लेकिन फिर उन्होंने मर्सिडीज को अपने सपने को साकार करने में मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। 'हमने कर दिखाया! हमने कर दिखाया!' उसे हंसते-हंसते आंसुओं के साथ कहते हुए सुना गया। इसके बाद जो जश्न मनाया गया, वह इस अवसर के अनुरूप ही था।

पोडियम पर एंटोनेली अपनी भावनाओं को काबू में रखने की कोशिश कर रहे थे, तभी वर्स्टापेन और हैमिल्टन ने भी उनका साथ दिया और नव-प्रतिभाशाली चैंपियन को हवा में उठा लिया। यह एक यादगार दृश्य था: खेल के दो महानतम ड्राइवर फॉर्मूला वन चैंपियन की नई पीढ़ी के आगमन का जश्न मना रहे थे। मैं भविष्य में और अधिक मुकाबलों के लिए उत्सुक हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह तो बस शुरुआत है।' एंटोनेली के लिए, यह सात साल के कार्टिंग के शौकीन से लेकर मोटरस्पोर्ट के शिखर तक की एक उल्लेखनीय यात्रा की परिणति थी।



मर्सिडीज टीम के प्रमुख टोटो वोल्फ के लिए भी, 2025 सीज़न से पहले हैमिल्टन की जगह 18 वर्षीय खिलाड़ी को मौका देने के उनके महत्वपूर्ण जोखिम भरे फैसले की पुष्टि का क्षण था।

उनके बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक मोंज़ा में देखने को मिला, जहाँ उन्होंने ग्रिड पर 19वें स्थान से शुरुआत करने के बावजूद अपने घरेलू ग्रैंड प्रिक्स में जीत हासिल की।

एक यादगार दूसरा सीज़न

एंटोनेली के चैम्पियनशिप जीतने वाले अभियान की विशेषता उनकी गति, निरंतरता और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रही है। सीज़न के तीसरे दौर, जापानी ग्रांड प्रिक्स के बाद उन्होंने ड्राइवर्स चैंपियनशिप में बढ़त हासिल कर ली और अपने प्रतिद्वंद्वियों पर निर्णायक बढ़त बना ली। उन्होंने शुरुआती छह रेसों में से पांच में जीत हासिल की और सीज़न आगे बढ़ने के साथ-साथ अपनी इस लय को बरकरार रखा। जब चैंपियनशिप मैक्सिको पहुंची, तब तक एंटोनेली नौ ग्रांड प्रिक्स जीत चुके थे। उन्होंने केवल दो रेसों में अंक हासिल नहीं किए, और दोनों बार यांत्रिक समस्याओं के कारण ऐसा हुआ।

मेसी का शानदार प्रदर्शन, इंटर मियामी ने न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन को 2-1 से हराया

फॉक्सबोरो। लियोनेल मेसी ने एक बेहतरीन असिस्ट और मैच के आखिर में किए गए गोल की मदद से इंटर मियामी को न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने अगले साल होने वाले कॉन्काकैफ चैंपियंस कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत से मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ से पहले ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में नंबर 2 सीड की स्थिति में पहुंच गई है। इस सीजन में मेसी के नाम अब 26 गोल और 16 असिस्ट हो गए हैं। इसके साथ ही वह लगातार तीसरी बार एमएलएस एमवीपी अवार्ड और लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतने की रेस में सबसे आगे हो गए हैं।

पहले 45 मिनट तक दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला रहा और हाफ टाइम तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इस दौरान इंटर मियामी को 28वें मिनट में एक अच्छा मौका मिला, जब मेक्सिकन खिलाड़ी बर्टेरामे ने बॉक्स के बाईं ओर से बाएं पैर से शॉट मारा, जिसे न्यू इंग्लैंड के गोलकीपर मैट टर्नर ने बचा लिया। दूसरे हाफ में, 53वें मिनट में डेनियल गाजदाग के गोल की बदौलत मेजबान टीम (न्यू इंग्लैंड) ने खाता खोला। 69वें मिनट में इंटर मियामी ने शानदार टीम वर्क दिखाते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। सेगोविया ने बॉक्स के अंदर एक 'लॉब' पास दिया, जिस पर मेसी ने हेडर से गेंद को बर्टेरामे की तरफ बढ़ाया। बर्टेरामे ने बॉक्स के बीच से एक जोरदार हेडर लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। यह इस रेगुलर सीजन में बर्टेरामे का 10वां गोल था, जबकि मेसी का यह इस लीग सीजन का 16वां असिस्ट रहा।



83वें मिनट में इंटर मियामी ने मैच का पासा पूरी तरह से पलटा। एक बेहतरीन पासिंग सीक्वेंस के बाद मेसी ने निर्णायक गोल किया। सुआरेज ने बॉक्स के बाहर बीच में मेसी को गेंद दी, जहां अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने तीन डिफेंडरों को छकाया। इसके बाद सेगोविया के साथ मिलकर वह बॉक्स के अंदर पहुंचे और एक सटीक शॉट के जरिए गेंद को गोल पोस्ट के निचले दाएं कोने में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मेसी के कुल गोल की संख्या 26 हो गई है, जिससे वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। वहीं, इस रेगुलर सीजन में सेगोविया के असिस्ट की संख्या 12 हो गई है। इसके बाद 1-2 की स्कोरलाइन अंतिम सीटी बजने तक कायम रहा, जिससे इंटर मियामी ने अपने घर से बाहर खेलते हुए तीन अंक हासिल किए।

न्यूज डायरी

शहीद स्मारक के 5 नवंबर को उद्घाटन को लेकर ऊर्जा मंत्री अनिल विज की अध्यक्षता में अधिकारियों की बैठक हुई

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। अंबाला छावनी में 1857 में आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक के 5 नवम्बर को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा उद्घाटन को लेकर अम्बाला जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां की जा रही हैं।

इसी कड़ी में आज हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज की अध्यक्षता में शहीद स्मारक में बैठक हुई जिसमें सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा के आयुक्त एवं सचिव के. मकरंद पांडुरंग के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान अधिकारियों ने शहीदी स्मारक का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बैठक के दौरान कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी व अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। इससे पहले आयुक्त एवं सचिव के मकरंद पांडुरंग ने शहीदी स्मारक के उद्घाटन से संबंधित कार्यक्रम की तैयारियों एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस मौके पर उपायुक्त सचिन गुप्ता, सीईओ जिला परिषद् गगनदीप सिंह, एडीपीआर मनीष लौहान, शहीद स्मारक के निदेशक डॉ कुलदीप सैनी, एसडीएम नारायणगढ़ शिवजीत भारती, संयुक्त निदेशक नीरज कुमार, अधीक्षक अभियन्ता भूपेन्द्र, कार्यकारी अभियन्ता रितेश अग्रवाल, कार्यकारी अभियन्ता नवीन राठी के साथ-साथ सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण व एजेन्सी के प्रतिनिधि मौजूद रहें।

राज्य स्तरीय नगाड़ा (बनचारी) प्रतियोगिता में जितेंद्र ने प्राप्त किया प्रथम पुरस्कार

चण्डीगढ़- हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा 16 अक्तूबर, 2026 को मल्टी आर्ट सेंटर, कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय नगाड़ा (बनचारी) प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न कलाकारों एवं दलों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विभाग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल द्वारा कलाकारों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करने उपरांत चयनित विजेताओं में जितेंद्र एवं दल ने प्रथम पुरस्कार, जबकि सुनील एवं दल ने द्वितीय तथा चंदर सिंह एवं दल ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया। इसके अतिरिक्त, लेखराम एवं दल, नानक चंद एव दल, धर्मवीर एवं दल, वेद प्रकाश एवं दल तथा विरेन्द्र एवं दल को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य हरियाणा की समृद्ध लोक-संगीत परंपरा, विशेषकर नगाड़ा (बनचारी) लोकवाद्य कला को संरक्षण एवं प्रोत्साहन देना तथा लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध करवाना है। इस प्रकार के आयोजनों से पारंपरिक लोककलाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने में सहायता मिलती है।

महिला सशक्तिकरण एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को मिलेगा राज्य स्तरीय सम्मान, 5 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

पंचकूला: हरियाणा के महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से वर्ष 2026-27 के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इन पुरस्कारों के लिए पात्र महिलाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग डॉ सविता नेहरा में बताया की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं एवं अन्य पात्र व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके तहत श्रीमती सुषमा स्वराज पुरस्कार के लिए 5 लाख रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के लिए 1.50 लाख रुपये एवं प्रशस्ति पत्र तथा कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार और बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार के लिए 1-1 लाख रुपये एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

इसके अलावा, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के तहत 51 हजार रुपये एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। सरकारी कर्मचारी श्रेणी में चार, सामाजिक कार्यकर्ता श्रेणी में चार तथा महिला उद्यमी श्रेणी में दो पुरस्कार दिए जाएंगे। इन श्रेणियों के प्रत्येक विजेता को 21 हजार रुपये एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

इन पुरस्कारों का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देना, उनकी उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना तथा समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इच्छुक एवं पात्र महिलाएं 5 नवंबर 2026 तक विभाग के ऑनलाइन पोर्टल https://onlinemis.wcdhry.gov.in/gaurav के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। डाक, कोरियर अथवा किसी अन्य माध्यम से भेजे गए आवेदन मान्य नहीं होंगे।

पंचकूला में 'भिक्षा नहीं, शिक्षा' अभियान के तहत विशेष रेस्क्यू ड्राइव आयोजित

पंचकूला: हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (HSCPCR) के तत्वावधान में चलाए जा रहे 'भिक्षा नहीं, शिक्षा' अभियान के अंतर्गत आज पंचकूला में बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराने, उनके अधिकारों की रक्षा करने तथा उन्हें शिक्षा और सुरक्षित भविष्य से जोड़ने के उद्देश्य से एक विशेष रेस्क्यू एवं पुनर्वास ड्राइव आयोजित की गई। यह अभियान 2 नवंबर से 12 नवंबर 2026 तक चलाया जाएगा।

इस विशेष अभियान में हरयाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग की टीम, जिला बाल संरक्षण अधिकारी (DCPO), श्रम विभाग के लेबर इंस्पेक्टर, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, पुलिस विभाग तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) के प्रतिनिधियों ने आपसी समन्वय एवं सहयोग से सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी संबंधित विभागों ने संयुक्त रूप से कार्य करते हुए बच्चों की पहचान, रेस्क्यू, सुरक्षा तथा उनके उचित पुनर्वास को प्राथमिकता दी।

ड्राइव के दौरान पंचकूला के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों एवं बाजारों, जिनमें सेक्टर-20, सेक्टर-9, सेक्टर-4, सेक्टर-17 तथा सेक्टर-16 सहित अन्य स्थान शामिल रहे, पर अभियान चलाया गया। इन स्थानों से रेस्क्यू किए गए बच्चों को आवश्यक संरक्षण प्रदान करने के लिए नियमानुसार बाल कल्याण समिति, पंचकूला के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति के निर्देशानुसार बच्चों को उनकी सुरक्षा, देखभाल, संरक्षण एवं पुनर्वास की आवश्यकताओं के अनुरूप बाल देखरेख संस्थानों में भेजा गया, ताकि उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

उपायुक्त की मिठाई व खाद्य पदार्थ विक्रेताओं से अपील अच्छी गुणवत्ता वाला सामान ही बेचे

पंचकूला- उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने मिठाई और खाद्य प्रतिष्ठानों के विक्रेताओं को सचेत करते हुए कहा कि खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में कमी या मिलावट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई भी विक्रेता नागरिकों की सेहत से खिलवाड़ करता पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उन्होंने सभी मिठाई विक्रेताओं से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ-साथ दुकानों में स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि दीपावली पर्व पर बड़ी संख्या में लोग मिठाइयां और अन्य खाद्य सामग्री खरीदते हैं। जिला प्रशासन नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा अधिकारियों की टीमों का गठन किया गया है, जो ब्रांडेड स्वीट्स शॉप्स और रेस्टोरेंट्स के साथ-साथ अन्य मिठाई दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण करेंगी। इन निरीक्षणों के दौरान मिठाइयों, दूध से बने उत्पादों और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच की जाएगी।

संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के लोगों और राज्य के बीच एक जीवंत संवैधानिक समझौता: राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

जगदीश, हिन्द जनपथ



चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि भारत का संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के लोगों और राज्य के बीच एक जीवंत संवैधानिक समझौता है, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है।

राज्यपाल सोमवार को पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित 'जनप्रतिनिधि सम्मेलन' के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने आयु में वरिष्ठतम पूर्व विधायक श्री गणपत राय और श्री ओपी भारद्वाज को उनकी सीटों पर पहुंच कर सम्मानित किया। श्री गणपत राय का जन्म जून, 1935 में तथा श्री ओपी भारद्वाज का जुलाई 1935 में हुआ था।

विधायकों को संवैधानिक मूल्यों का सबसे महत्वपूर्ण संरक्षक बताते हुए प्रो. घोष ने कहा कि शपथ ग्रहण के माध्यम से निर्वाचित प्रतिनिधि संविधान की रक्षा और उसके सिद्धांतों को बनाए रखने का संकल्प लेते हैं। वहीं, सदन में बहस, प्रश्नों और कानून निर्माण के माध्यम से वे इस संकल्प को धरातल पर उतारते हैं। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र की मजबूती विधायी संस्थाओं में होने वाले सार्थक संवाद, गरिमापूर्ण असहमति और व्यापक जनहित को ध्यान में रखकर लिए जाने वाले निर्णयों पर निर्भर करती है।

राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस सम्मेलन में हरियाणा विधानसभा के वर्तमान एवं पूर्व सदस्य एक मंच पर एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक अपने अनुभव और संस्थागत ज्ञान के माध्यम से लोकतांत्रिक परंपराओं को समृद्ध करते हैं, जबकि वर्तमान विधायक अपनी ऊर्जा और वर्तमान दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता के साथ योगदान देते हैं। दोनों पीढ़ियों के बीच इस प्रकार का संवाद लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करने के साथ-साथ उत्कृष्ट संसदीय कार्यप्रणालियों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि नागरिकों को अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी समान रूप से बोध होना चाहिए। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती उसके नागरिकों की संवैधानिक समझ, जागरूकता और प्रतिबद्धता में निहित है।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे इस सम्मेलन के संदेश को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों तक पहुंचाएं और विशेष रूप से युवाओं के साथ संवाद स्थापित करें। वे स्कूलों और कॉलेजों में विद्यार्थियों को संविधान के महत्व से अवगत कराएं तथा नागरिकों को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करें। साथ ही, मौलिक अधिकारों के साथ संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति भी जागरूकता बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में जनप्रतिनिधियों का आचरण ईमानदारी, शालीनता और जनसेवा की भावना का आदर्श उदाहरण होना चाहिए।

जागरूक बचपन, सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विद्यार्थियों को किया जागरूक, नुक्कड़ नाटक व रचनात्मक गतिविधियों से दिया सामाजिक संदेश

पंचकूला। बच्चों की सुरक्षा, उनके अधिकारों और शोषण से बचाव के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) की ओर से पंचकूला के विभिन्न स्कूलों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। सार्थक गवर्नमेंट इंटीग्रेटेड मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-12 तथा ब्लू बर्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-16 में प्रसिद्ध वक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रियंका पुनिया ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।



कार्यक्रमों के दौरान विद्यार्थियों को POCSO एक्ट, बाल यौन शोषण की पहचान, अच्छे और बुरे स्पर्श, व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा गलत व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रियंका पुनिया ने बच्चों को समझाया कि किसी भी प्रकार के शोषण, डराने-धमकाने या अनुचित व्यवहार की स्थिति में चुप न रहें, बल्कि बिना डर के माता-पिता, शिक्षकों या किसी विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी दें।

सार्थक स्कूल में प्रधानाचार्या रेणु बाला के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से बाल विवाह के दुष्परिणामों, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर पड़ने वाले प्रभावों को दर्शाते हुए समाज को इस कुप्रथा को रोकने का संदेश दिया गया।

वहीं ब्लू बर्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रिंसिपल वंदना के मार्गदर्शन में जागरूक बचपन, सुरक्षित बचपन' विषय पर पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग और निबंध लेखन जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बाल अधिकारों, बाल सुरक्षा, बाल विवाह की रोकथाम और बाल शोषण के विरुद्ध अपने विचार रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किए।

नीतिका गुप्ता के नेतृत्व में शिवालिक एन्क्लेव में महिला बैठक, चाय पर चर्चा के दौरान महिलाओं की समस्याएं सुनीं

जगदीप, हिन्द जनपथ



चंडीगढ़। एनएसी शिवालिक एन्क्लेव में आज 'चाय पर चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं की विभिन्न समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए भाजपा के सहयोग से एक विशेष महिला बैठक (लेडीज मीटिंग) का भी आयोजन किया गया।बैठक प्रदेश भाजपा विशेष आमंत्रित सदस्य नीतिका गुप्ता की उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यक्रम का नेतृत्व आदरणीय 1 अरुण सूद जी और जिला प्रधान भूपिंदर सिंह सैनी जी ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं और उन्होंने खुलकर अपनी समस्याएं रखीं।नीतिका गुप्ता ने बताया कि महिलाओं ने न केवल अपनी समस्याएं साझा कीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा तथा उनके परिवार पर भी अपना विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने सभी महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें सुनने और अपने विचार साझा करने के लिए महिलाओं का हृदय से धन्यवाद किया

इस अवसर पर मौजूद महिलाओं ने स्थानीय मुद्दों, महिलाओं से जुड़ी समस्याओं और अन्य सामाजिक विषयों पर चर्चा की। भाजपा पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि महिलाओं की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।कार्यक्रम का समापन 'जय श्री राम' के उद्घोष के साथ हुआ।

हरियाणा के 60 वर्षों की विकास यात्रा, उपलब्धियों और भावी चुनौतियों पर जनप्रतिनिधि सम्मेलन में हुआ मंथन

चंडीगढ़: हरियाणा राज्य की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रदेश की गौरवमयी विकास यात्रा, वर्तमान एवं भावी चुनौतियों तथा पूर्ण रूप से विकसित हरियाणा के निर्माण पर विचार-विमर्श के लिए विशेष पखवाड़े की शुरुआत की गई है। इसी कड़ी में सोमवार को पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष सभागार में हरियाणा विधानसभा के संविधान पखवाड़े के तहत 'जनप्रतिनिधि सम्मेलन' आयोजित किया गया।

सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण ने कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जनभागीदारी को बढ़ावा देना, जागरूक समाज के निर्माण में जनप्रतिनिधियों की भूमिका को रेखांकित करना तथा हरियाणा को आत्मनिर्भर एवं विकसित राज्य बनाने की रूपरेखा तैयार करना रहा।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के ध्वजवाहक लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सहित लगभग 21 जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा किए।

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि सम्मेलन में हरियाणा की पिछले 60 वर्षों की विकास यात्रा, पूर्व मुख्यमंत्रियों एवं जनप्रतिनिधियों के कुशल नेतृत्व तथा वर्तमान समय की प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विचारधाराएं भिन्न हो सकती हैं, लेकिन सभी का अंतिम लक्ष्य समाज हित, प्रदेश हित और राष्ट्र हित होना चाहिए।

उन्होंने हरियाणा विधानसभा द्वारा पिछले दो वर्षों में किए गए डिजिटल एवं विधायी सुधारों का उल्लेख करते हुए बताया कि विधानसभा के सदस्यों एवं अधिकारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र और कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 'वन नेशन, वन लेजिस्लेचर' की अवधारणा को साकार करने के लिए सभी विधानमंडलों को एक मंच पर आकर एक-दूसरे की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों (बेस्ट प्रैक्टिसेज) का आदान-प्रदान करना होगा।

हरियाणा में कक्षा VI से XII तक के छात्रों के लिए स्कूल-आधारित मानसिक स्वास्थ्य सहायता की योजना

चंडीगढ़- हरियाणा सरकार अपने प्रस्तावित 'साथ' (SAATH) प्रोजेक्ट के तहत कक्षा VI से XII तक के विद्यार्थियों के लिए एक व्यवस्थित स्कूल-आधारित मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रणाली शुरू करने की योजना बना रही है। इसका मुख्य उद्देश्य परीक्षा के तनाव, चिंता (एंजाइटी), अवसाद (डिप्रेशन), बुलिंग, सामाजिक अलगाव और अत्यधिक स्क्रीन उपयोग सहित विभिन्न मनोवैज्ञानिक समस्याओं की समय रहते पहचान करना है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि इसमें स्वास्थ्य और स्कूल शिक्षा विभाग, शिक्षकों, अभिभावकों, छात्र स्वयंसेवकों, परामर्शदाताओं, नैदानिक मनोवैज्ञानिकों (क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट) और मनोचिकित्सकों (साइकियाट्रिस्ट) को शामिल करते हुए एक समन्वित तंत्र की परिकल्पना की गई है। प्रस्तावित रूपरेखा के तहत पेशेवर सहायता प्रणाली के हिस्से के रूप में स्वास्थ्य विभाग के 122 परामर्शदाताओं को चिह्नित किया गया है। इसमें मनोविज्ञान की योग्यता वाले शिक्षकों और विशिष्ट मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की भागीदारी भी शामिल है, ताकि पेशेवर मदद की आवश्यकता वाले छात्रों को समय पर सहायता मिल सके।

सुपवा में हेल्थ कैंप लगाकर मनाया हरियाणा दिवस

रोहतक। दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीएसुपवा) में सोमवार को हेल्थ कैंप लगाकर हरियाणा दिवस मनाया गया। इस दौरान पीजीआई के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने यूनिवर्सिटी के टीचिंग, नॉन टीचिंग व अन्य स्टॉफ और छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच की व जरूरी परामर्श भी दिया। हेल्थ कैंप के दौरान ईएनटी, गायनीकोलॉजी, मेडिसिन व डेंटिस्ट आदि मौजूद रहे।



फैकेल्टी ऑफ डिजाइन की कैंटीन में आयोजित हेल्थ कैंप में पीजीआई से डॉ कशिश, डॉ अनुज, डॉ आदर्श कुमार, डॉ अभिषेक भार्गव व डॉ पारूल अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। हेल्थ कैंप के दौरान मेडिसिन विभाग के डॉक्टरों ने सामान्य बीमारियों, मौसमी संक्रमण, ब्लड प्रेशर, कमजोरी व अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कर उचित सलाह दी। वहीं, ईएनटी विशेषज्ञ ने नाक, कान व गले से संबंधित समस्याओं की जांच की और उनके बचाव एवं उपचार के बारे में जानकारी दी। गायनीकोलॉजी विशेषज्ञ डॉक्टर ने महिला स्टॉफ सदस्यों व छात्राओं को उनके स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता व संतुलित जीवनशैली के महत्व के बारे में जागरूक किया। साथ ही उन्हें समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने की सलाह भी दी। डॉक्टरों ने सभी को नियमित व्यायाम करने, पौष्टिक व संतुलित आहार लेने, पर्याप्त नींद लेने और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि व्यस्त दिनचर्या में अक्सर लोग अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देते हैं, जिसके कारण छोटी-छोटी समस्याएं आगे चलकर गंभीर रूप ले सकती हैं। ऐसे में नियमित स्वास्थ्य जांच बेहद जरूरी है। कुलगुरु डॉ अमित आर्य व रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा ने डॉक्टरों की टीम का सुपवा परिवार की ओर से स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए। डॉ आर्य ने कहा कि हरियाणा दिवस मनाने के लिए लगाए गए कैंप का मुख्य उद्देश्य स्टॉफ व छात्रों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से पंजाब के उद्योगपतियों ने की मुलाकात

हिन्द जनपथ



चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से सोमवार को हरियाणा निवास में पंजाब से आए उद्योगपतियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों का स्वागत करते हुए उन्हें हरियाणा में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया और आश्वासन दिया कि प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के लिए उन्हें सरकार की ओर से हर संभव सहयोग एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने और निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य में उद्योगपतियों की सुविधा के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से विभिन्न विभागों की आवश्यक स्वीकृतियां एवं सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इसके अलावा, सरकार द्वारा उद्योगों की जरूरत के अनुसार औद्योगिक भूमि भी उपलब्ध करवाई जा रही है, ताकि निवेशकों को अपना कारोबार स्थापित करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (HSIIDC) लगातार उद्योगपतियों के संपर्क में रहकर उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित कर रहा है। हरियाणा में निवेश की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं और विभिन्न क्षेत्रों के निवेशक प्रदेश में उद्योग स्थापित करने में रुचि दिखा रहे हैं।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री से जुड़े उद्योगपति शामिल थे। उन्होंने हरियाणा में उपलब्ध औद्योगिक सुविधाओं और निवेश की संभावनाओं को लेकर मुख्यमंत्री के साथ चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों के उद्योगपति भी हरियाणा में निवेश करने के इच्छुक हैं, ऐसे सभी निवेशकों का स्वागत करती है और उन्हें उद्योग स्थापित करने के लिए अनुकूल माहौल एवं हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संविधान की भावना सदन से गांव और समाज के हर वर्ग तक पहुंचे : संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा

चंडीगढ़- हरियाणा के संसदीय कार्य मंत्री श्री महिपाल ढांडा ने कहा कि संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र की आत्मा और देश की एकता का आधार है। यह नागरिकों को अधिकारों के साथ-साथ उनके कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक करता है। संविधान की भावना केवल सदन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे गांवों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। वे सोमवार को पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में हरियाणा विधानसभा द्वारा आयोजित संविधान पखवाड़े के तहत जनप्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण, उपाध्यक्ष श्री कृष्ण मिड्ढा, मंत्रियों, विधायकों, पूर्व विधायकों और अधिकारियों का अभिनंदन किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया और 26 जनवरी 1950 को यह लागू हुआ। संविधान निर्माताओं और संविधान सभा के सदस्यों ने ऐसे भारत की कल्पना की थी, जहां प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का अधिकार मिले तथा सभी को सम्मान और समान अवसर प्राप्त हों।

विकसित हरियाणा के निर्माण में जनभागीदारी और जागरूक समाज की भूमिका अहम : हरविंद्र कल्याण

जगदीश, हिन्द जनपथ



चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण ने कहा कि पूर्ण रूप से विकसित हरियाणा का निर्माण तभी संभव है, जब इसमें समाज की सक्रिय भागीदारी हो और एक जागरूक समाज तैयार किया जाए। जनप्रतिनिधि समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लोग उनकी बात सुनते हैं और उनके आचरण का अनुसरण करते हैं। इसलिए प्रत्येक जनप्रतिनिधि को समाज के लिए रोल मॉडल बनकर संवैधानिक मूल्यों और जनभागीदारी को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए।

श्री हरविंद्र कल्याण सोमवार को पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में हरियाणा विधानसभा द्वारा संविधान पखवाड़े के तहत आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का दिन हरियाणा के इतिहास में विशेष महत्व रखता है, क्योंकि प्रदेश के वर्तमान और पूर्व जनप्रतिनिधि एक स्थान पर एकत्र हुए हैं। यह सम्मेलन हरियाणा के 60 वर्षों के सफर को याद करने के साथ-साथ भविष्य के विकसित हरियाणा के निर्माण में अपनी भूमिका तय करने का अवसर है। इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, नेता प्रतिपक्ष श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण मिड्ढा, संसदीय कार्य मंत्री श्री महिपाल ढांडा सहित मंत्रीगण, विधायक गण उपस्थित थे। लोकसभा अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित कर जनप्रतिनिधि सम्मेलन का उद्घाटन किया।

विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण ने मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला का स्वागत करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश के सभी राज्यों के विधानमंडलों और विधायिकाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न विधानसभाओं के बीच अच्छी कार्यप्रणालियों और नवाचारों को साझा करने से सभी को प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलता है। उन्होंने कहा कि श्री ओम बिरला के मार्गदर्शन और लोकसभा के सहयोग से हरियाणा विधानसभा में भी विधायिका को सशक्त बनाने के लिए अनेक गतिविधियां शुरू की गई हैं।

श्री हरविंद्र कल्याण ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का भी आभार व्यक्त किया और कहा कि हरियाणा विधानसभा की गतिविधियों तथा कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री का निरंतर सहयोग मिलता है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, संसदीय कार्य मंत्री श्री महिपाल ढांडा, विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, मंत्रियों, वर्तमान एवं पूर्व विधायकों तथा सभी अतिथियों का स्वागत किया।